RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

द अचीवर टाइम्स

वर्ष : 9 अंक : 268
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, सोमवार, 22 जनवरी, 2024

भव्य राम मंदिर में आज विराजेंगे रामलला, अयोध्या में दिवाली सा माहौल

- रामलला की प्रतिमा की आज होगी प्राण-प्रतिष्ठा
- आज अपने सही स्थान पर विराजेंगे प्रभु श्रीराम
- अयोध्या में वाहनों की एंट्री 23 जनवरी तक बंद

एजेंसी

लखनऊ। प्रभु श्रीराम अपनी नगरी अयोध्या में विराजमान होकर अब अपने भक्तों को जल्द ही दर्शन देंगे। आज वो दिन है जब रामलला की मूर्ति अपने सही स्थान लेगी। देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया बेसब्री से इस पल के इंतजार में है। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रामलला की प्रतिमा उनके सही स्थान पर विराजमान की जाएगी।

भारत के इतिहास में आज एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है। आज रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही अयोध्या में इतिहास रचा जाएगा। इस पल का सभी सनातनियों के साथ-साथ पूरे देश को अरसों से इंतजार था। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में अब प्रभु विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देने वाले हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 500 वर्षों बाद हम वह दिन देख रहे हैं जब रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। हम सब हर्षोल्लासित हैं, फिर से दीपावली मनाई जाएगी... कल ओरछा में हम भगवान राम की पूजा करेंगे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या अयोध्या के सरयू घाट पर सरयू आरती की गई। आरती के दौरान भारी संख्या में लोग उमड़े।

दुनियाभर से रामनगरी पहुंच रहे

भव्य राम मंदिर में आज विराजेंगे रामलला

भगवान रामलला अपने नव्य मंदिर में आज से प्रतिष्ठित हो जाएंगे। छह दिन पूर्व शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा का विधान पूर्ण होने की ओर है। सोमवार को दिवस में मध्य रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसमें यजमान के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल रहेंगे।

राम जन्मभूमि परिसर को रोशनी से सजाया गया

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम जन्मभूमि परिसर को रोशनी से सजाया गया और खूबसूरती से सजाया गया। देश-विदेश से आए लोग मंदिर के फोटो खींच रहे हैं। वहीं, सरयू के तटों के आसपास भी बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं।

समारोह के लिए अयोध्या पहुंची नामचीन हस्तियां

अयोध्या। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए देश के कोने-कोने से ख्यातनाम हस्तियां पहुंच रही हैं. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और प्रशासन ने इस बारे में जानकारी दी है, जिन लोगों के अयोध्या पहुंचने की सूचना मिली है, उनमें खेल, विज्ञान, कला, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियां शामिल हैं। अयोध्या में कल होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए देश की ख्यातनाम हस्तियों को आमंत्रण पत्र भेजा गया था। इनमें पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रतिभा पाटिल, पूर्व उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू, पूर्व स्पीकर मीरा कुमार, सुमित्रा महाजन, उद्योग जगत से गौतम अदाणी, मुकेश-नीता अंबानी, लक्ष्मी निवास मित्तल, नुस्ली वाडिया, अजय पीरामल, अनिल अग्रवाल, रेखा झुनझुनवाला, आदि गोदरेज, एएम नाइक, सुधा मूर्ति और सुनील मित्तल शामिल हैं। इसके साथ ही खेल जगत से सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रविन्द्र जडेजा, पीटी ऊषा, सुनील गावस्कर, सायना नेहवाल शामिल हैं। विज्ञान के क्षेत्र से के कस्तूरीरंगन, मेट्रोमैन ई. श्रीधरन, शिक्षाविद टीवी मोहनदास पई भी पहुंच रहे हैं। वहीं कला के क्षेत्र से अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रजनीकांत, हेमा मालिनी, आशा भोंसले, उषा मंगेशकर, अरुण गोविल, प्रसून जोशी, शंकर महादेवन, सुभाष घई, अनुराधा पौडवाल पहुंच रहे हैं। इसके अलावा सैन्य सेवा से पहुंचने वालों में पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे और एस पद्मनाभन शामिल हैं। इसके अलावा न्याय जगत से सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस शरद अरविंद बोबड़े, पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित के साथ ही तुषार मेहता, अरुण पुरी, रामलला के वकील रहे रविशंकर प्रसाद आदि शामिल हैं। राम मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत भाई सोमपुरा भी पहुंच रहे हैं।

राम मंदिर के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम मंदिर के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त हैं। राम मंदिर परिसर के बाहर लोग जश्न मनाते दिखे।

एक नज़र

रूसी कब्जे वाले शहर पर यूक्रेन ने बरसाए गोले-बारूद, 27 की मौत, दो मासूमों सहित 25 घायल

मॉस्को। रूसी नेता डेनिश पुशिलिन ने कहा कि डोनेट्स्क के बाहरी इलाके में स्थित एक बाजार में रविवार को यूक्रेन ने गोलीबारी कर दी। हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दो मासूमों के साथ 25 लोग घायल हो गए। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसे आतंकवादी हमला बताया है। यूक्रेन ने एक बार फिर रूस पर हमला कर दिया, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस हमले में 25 लोग घायल हो गए। गौरतलब है कि पिछले करीब दो वर्षों से यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। ऐसे में अब कभी रूस यूक्रेनी शहर पर हमला करता है तो कभी यूक्रेन रूसी शहर पर हमला करता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसी नेता डेनिश पुशिलिन ने कहा कि डोनेट्स्क के बाहरी इलाके में स्थित एक बाजार में रविवार को यूक्रेन ने गोलीबारी कर दी। हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दो मासूमों के साथ 25 लोग घायल हो गए। पुशिलिन ने कहा कि, बाजार पर यूक्रेनी तोपखानों से कई गोले दागे गए थे, जिन्हें यूक्रेन के कुराखोव और क्रास्नोहोरिव्का से दागे गए थे। हालांकि, कीव ने अभी तक हमले की पुष्टि नहीं की है। बता दें, डोनेट्स्क यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में से एक है, जिसपर मॉस्को ने कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूस के विदेश मंत्रालय ने हमले के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया है। उन्होंने इसे आतंकवादी हमला बताया है। डोनेट्स्क के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को ही रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह के भी एक रासायनिक परिवहन टर्मिनल में दो विस्फोट किए गए, जिस वजह से आग लग गई। कंपनी ने आग के लिए बाहरी प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया। अधिकारियों ने बताया कि बंदरगाह का परिचालन रोक दिया गया था। यूक्रेनी सेना ने दिसंबर 2023 के अंत में भी रूसी शहर बेलगोरोद पर भारी बमबारी की थी। हमले में बच्चों सहित 25 लोगों की मौत हो गई थी। रूसी अधिकारियों के एक बयान के अनुसार, बेलगोरोद पर क्लस्टर बमों से ताबड़तोड़ हमले किए गए थे।

सुबह 10 बजे से गूंजेगी मंगलध्वनि

84 सेकंड के शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि 22 जनवरी को दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी। दोपहर एक बजे प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा हो जाएगा।

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। आज (22 जनवरी) होने वाले राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरी राम नगरी को आध्यात्मिक रंग देकर सजाया गया है। मंदिर परिसर की छटा देखती ही बनती है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों न्योता मिला है। अब भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी हुई हैं। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से मंगल ध्वनि का भव्य वादन होगा। विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना का साक्षी बनेंगे।

उधर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों का आगमन शुरू हो जाएगा। मेहमानों को 10=30 बजे तक रामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश करना होगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने बताया कि उसके द्वारा जारी की गई प्रवेशिका के जरिए ही प्रवेश संभव है। केवल निमंत्रण पत्र से आगंतुक प्रवेश नहीं कर पाएंगे। प्रवेशिका पर बने क्यूआर कोड के मिलान के बाद ही परिसर के प्रवेश मिलेगा। ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर प्रवेशिका का एक प्रारूप भी साझा किया है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि 22 जनवरी को दोपहर 12=20 बजे शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में की जाएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है। यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि (22 जनवरी 2024) को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में होगा।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम दोपहर एक बजे तक पूरा हो जाएगा। सभी पूजा-विधि समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत संदेश देंगे। वहीं श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास आशीर्वाद देंगे।

पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहेंगे। सुबह 10=25 बजे अयोध्या एयरपोर्ट और 10=55 पर राम जन्मभूमि पहुंचेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद एक बजे प्रस्थान कर सभा को संबोधित करेंगे। 2=10 पर कुबेर टीला के दर्शन कर दिल्ली लौट जाएंगे।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत %राम ज्योति% प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी। शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी। इसके साथ ही मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर %राम ज्योति% प्रज्ज्वलित की जाएगी। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी। रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

84 सेकंड का शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकंड तक का रहेगा। यानि प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकंड का है। पूजा-विधि के जजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह अनुष्ठान काशी के प्रख्यात वैदिक आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में 121 वैदिक आचार्य संपन्न कराएंगे। इस दौरान 150 से अधिक परंपराओं के संत-धर्माचार्य और 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, तटवासी, द्वीपवासी, जनजातीय परंपराओं की भी उपस्थिति होगी।

अयोध्या में मंदिर के लिए की थी भीष्म प्रतिज्ञा 31 साल बाद अब अन्न खाएगा रामभक्त!

एजेंसी

दरभंगा। दरभंगा जिला के बहादुरपुर प्रखंड के खैरा गांव के रहने वाले वीरेंद्र कुमार बैठा उर्फ झमेली बाबा 31 साल के बाद अन्न ग्रहण करेंगे। जी हां, ये कारसेवक 31 वर्ष से फल खा कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। जब प्रभु श्री राम अपने %घर% में प्रवेश करेंगे तो खुद अपने हाथ से खाना बनाएंगे और सेंधा नमक डला भोजन खाकर अपना प्रण तोड़ेंगे। दरअसल झमेली बाबा की 31 वर्ष की उनकी तपस्या 22 जनवरी को पूरी होगी।

बाबरी मस्जिद के गुंबद पर चढ़ कर तोड़ने के बाद 7 सितंबर 1992 को वीरेंद्र कुमार बैठा उर्फ झमेली बाबा ने संकल्प लिया था कि राम मंदिर निर्माण होने तक वो सिर्फ फलहार पर रहेंगे, जिस दिन मंदिर का निर्माण होगा और राम लला विराजमान होंगे, उस दिन अन्न ग्रहण करेंगे। अब तक चुप चाप गुमनामी में छोटी सी पान की दुकान चला कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने शादी तक नहीं की। बस अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।

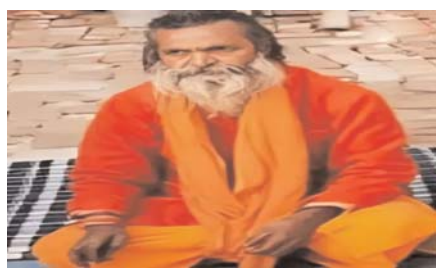

दरभंगा जिला के बहादुरपुर प्रखंड के खैरा गांव के रहने वाले वीरेंद्र कुमार बैठा उर्फ झमेली बाबा ने बताया कि वो बचपन से ही स्वयं सेवक रहे। विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर दरभंगा से लगभग ढाई सौ कारसेवक के साथ अयोध्या के लिए निकले थे। अयोध्या पहुंचने पर विश्व हिंदू परिषद के बिहार प्रांत के अध्यक्ष महादेव प्रसाद जायसवाल, बेलागंज के अशोक साह, गजेंद्र चौधरी, गुदरी बाजार के शंभू साह किसी तरह से बाबरी मस्जिद के परिसर में प्रवेश कर गए।

झमेली ने बताया कि बाबरी मस्जिद के परिसर के बाहर एक लोहे का पाइप मिला। इसके सहारे मस्जिद को गिराने में जुट गए। देखते ही देखते हम सभी गुंबद पर चढ़ गए। सैकड़ों की संख्या में शिव सैनिक भी जुटे थे। जैसे ही गुंबद गिरा और मस्जिद धराशायी हो गया। सभी राम भक्त निशानी के रूप में ईट आदि लेकर वहां से रवाना हो गए।

इस बीच सरयू नदी में स्नान के बाद %अयोध्या में भव्य रामलला मंदिर निर्माण हो% इस मनोकामना के साथ अन्न त्यागने का संकल्प लिया। इस दौरान पास के स्टूडियो में तस्वीर खिंचाई, जहां रुपये लेने के बाद स्टूडियो मालिक ने कहा कि नाम-पता लिखा दो, डाक से तस्वीर भेज देंगे। कुछ दिन बाद डाक से ये तस्वीर मिली। इसे आज भी संभाल कर रखे हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या से 8 दिसंबर 1992 को अपने कुछ साथियों के साथ दरभंगा पहुंचे। हालांकि, यहां भी पुलिस उन लोगों को खोज रही थी। लहेरियासराय स्टेशन से रेलवे ट्रैक होते हुए बलभद्रपुर आरएसएस कार्यालय पहुंचे। इसके बाद उन लोगों की जान बची।

इसके बाद झमेली बाबा के रूप में लहेरियासराय थाना क्षेत्र के जीएन गंज रोड पर रहने लगे और यहां पान की दुकान चलाने लगे। झमेली बाबा ने दिव्यांग भाई को गांव की सारी संपत्ति सौंप दी। अयोध्या में मंदिर बने उसको लेकर सभी पूर्णिमा और सावन माह के हर सोमवार को देवघर डाक बम बन कर जाते रहे। अब उनका सपना पूरा हुआ और वो फिर 23 तारीख को सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर बाबा को जल अर्पण करेंगे। फिर अयोध्या जाकर रामलला की पूजा भी करेंगे। उन्हें राम मंदिर का न्यौता भी मिला है।

‘मैं एंटी मोदी नहीं, उनका प्रशंसक हूं’: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

एजेंसी

नई दिल्ली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से हिंदुओं का स्वाभिमान जाग गया है। यह छोटी बात नहीं है। रविवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वह मोदी के विरोधी नहीं हैं। हम एंटी मोदी नहीं हैं। हम तो मोदी के प्रशंसक हैंज्यह कहना है ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का। उनका कहना है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से हिंदुओं का स्वाभिमान जागा है। पीएम मोदी की प्रशंसा कर रहे शंकराचार्य ने हाल ही में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने अर्धनिर्मित राम मंदिर के उद्घाटन की भी आलोचना की थी।

प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर शंकराचार्य ने कहा कि पीएम मोदी के कारण ही हिंदुओं का स्वाभिमान जागा है। हिंदुओं का स्वाभिमान जागना कोई छोटी बात नहीं है। यह सच है और हमने कई बार सार्वजनिक रूप से यह बात कही है कि हम मोदी विरोधी नहीं हैं। हम मोदी के प्रशंसक हैं। हम इसलिए प्रशंसक हैं कि इससे पहले कौन सा प्रधानमंत्री हिंदुओं के साथ इतनी दृढ़ता के साथ खड़ा था। इतने प्रधानमंत्री रहे देश में, कौन साथ खड़ा रहा। हम किसी और प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं करना चाहते, सबकी अपनी-अपनी विशेषताएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ एंजेडा है, जो फैलाया जा रहा है कि हम मोदी विरोधी हैं।

जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई गई, तब हमने प्रशंसा की। नागरिकता कानून की प्रशंसा की। समान नागरिक संहिता में अपनी धार्मिक चिंताओं के साथ-साथ हमने योजना का समर्थन किया। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि आधे-अधूरे मंदिर में भगवान को स्थापित किया जाना न्यायोचित और धर्म सम्मत नहीं है। उन्होंने कहा था कि वह पीएम मोदी के हितैषी हैं, इसलिए सलाह दे रहे हैं कि शास्त्र सम्मत कार्य करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए बिना मुहूर्त के राम की मूर्ति को सन 1992 में स्थापित किया गया था। लेकिन वर्तमान समय में स्थितियां अनुकूल हैं। ऐसे में उचित मुहूर्त और समय का इंतजार किया जाना चाहिए।

21 जनवरी 1943 - भगत सिंह को अपना आदर्श मानने वाले अमर शहीद हेमू कालाणी के बलिदान दिवस पर कोटिशः नमन

द अचीवर टाइम्स/निखिल मिश्रा

हरदोई। भारतीय सभ्यता और संस्कृति का इतिहास जितना पुराना है उतना ही पुराना है यहां के महान क्रांतिकारी का इतिहास भी है भारत की भूमि अमरता और अजरता की पावन भूमि रही है। भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण पन्नों को जब हम पलटते हैं तब देखते हैं 1942 में जब महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आन्दोलन चलाया तो भारत भूमि के महान सपूत हेमू कालाणी के बलिदान की अमर गाथा जो 1942 के समर में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कर गया। 1942 में उन्हें यह गुप्त जानकारी मिली कि अंग्रेजी सेना हथियारों से भरी रेलगाड़ी रोहड़ी शहर से होकर गुजरेगी। हेमू कालाणी ने अपने साथियों के साथ रेल पटरी को अस्त व्यस्त करने की योजना बनाई। वे यह सब कार्य अत्यंत गुप्त तरीके से कर रहे थे पर फिर भी वहां पर तैनात पुलिस कर्मियों की नजर उनपर पड़ी और उन्होंने हेमू कालाणी को गिरफ्तार कर लिया और उनके बाकी साथी फरार हो गए। हेमू कालाणी को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई गई।उस समय के सिंध के गणमान्य लोगों ने एक पेटीशन दायर की और वायसराय से उनको फांसी की सजा ना देने की अपील की। वायसराय ने इस शर्त पर यह स्वीकार किया कि हेमू कालाणी अपने साथियों का नाम और पता बताये पर हेमू कालाणी ने यह शर्त अस्वीकार कर दी। 21 जनवरी 1943 को उन्हें फांसी की सजा दी गई। जब फांसी से पहले उनसे आखरी इच्छा पूछी गई तो उन्होंने भारतवर्ष में फिर से जन्म लेने की इच्छा जाहिर की। हेमू कलानी अपना जन्मदिन कभी नहीं मानते थे क्योंकि उसे दीन भगत सिंह का बलिदान दिवस था अतः एक नवयुवक आजादी की लड़ाई में अपना योगदान देकर आने वाली पीढियां के लिए गौरव गाथा और बहादुरी की मिसाल बन गए। इन्कलाब जिंदाबाद और भारत माता की जय की घोषणा के साथ उन्होंने फांसी को स्वीकार किया और अमर हो गए। लिए हम सब मिलकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत के महान सपूत को नमन करें।

भगवा ध्वज लेकर सैकड़ों महिलाएं यात्रा में हुई शामिल

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

रामसनेहीघाट (बाराबंकी)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर रामसनेहीघाट में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। रविवार को मालिनपुर स्थित बाबा रामसनेही के मंदिर से शुरू हुई यात्रा भिटरिया चौराहे तक पहुँची। हाथ मे भगवा ध्वज लेकर सैकड़ों महिलाएं यात्रा में शामिल रही। जगह-जगह भक्तों ने पुष्प वर्ष की व प्रसाद वितरण का आयोजन रहा। यात्रा में भगवान राम की झांकी भी रही। भगवान राम के भजनों पर युवा थिरकते नजर आए। यात्रा रामसनेही मंदिर से मालिनपुर होते हुए भिटरिया चौराहे छोटी हनुमान गढ़ी पर पहुंची वहां वापस रामसनेहीघाट पहुँची। यात्रा के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। यात्रा में हिमांशु सिंह, शुभम गोश्वामी, संजय कश्यप, आकाश गुप्ता, बलराम शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

मेरठ से चलकर हापुड़ पहुंचे सुनील बराला व भगवान श्री राम की झांकियां का जगह जगह किया स्वागत

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। रविवार को श्रम कल्याण परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष सुनील भराला भगवान राम की झांकियां के साथ एक यात्रा मेरठ से चलकर हापुड़ पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह पर सुनील बराला व भगवान राम की झांकियां का स्वागत किया गया, वह उन पर पुष्प वर्षा की गई, तो वहीं हापुड़ पहुंचने के बाद हापुड़ के मुख्य मार्गो से होते हुए यह यात्रा आगे की तरफ रवाना हुई। आपको बता दें कि अयोध्या में कल श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या व उत्तर प्रदेश समेत पूरा देश राममय हो चुका है इसी बीच श्रम कल्याण परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष व भाजपा नेता सुनील भराला जन जागरण यात्रा के साथ मेरठ से हापुड़ पहुंचे। जन जागरण यात्रा में सैंकड़ों गाडियों का काफिला हापुड़ पहुंचा, जन जागरण यात्रा में सुंदर- सुंदर झांकियां भी थी। हापुड़ के रेलवे रोड़, पक्का बाग, तहसील चौपला सहित हापुड़ के मुख्य मार्गो में जन जागरण यात्रा निकाली गई साथ ही हापुड़ में जगह-जगह जन जागरण यात्रा पर फूल वर्षा की गई ओर लोगों ने जन जागरण यात्रा में जय श्री राम के नारे लगाए। इस दौरान हमारे संवाददाता से बात करते हुए श्रम कल्याण परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष सुनील भराला ने बताया कि भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर पूरे देश भर में मंदिरों की स्वच्छता और मंदिरों में जो प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हो रहा है उसके अंतर्गत जन जागरण धर्म यात्रा को लेकर के इस कार्यक्रम में शामिल रहना हुआ यह कार्यक्रम राष्ट्रीय परशुराम परिसर परशुराम स्वाभिमान सेना और जो भगवान राम मंदिर के निर्माण में जिन्होंने बड़ी लंबी भूमिका निभाई ऐसे कर सेवा सेनानी संघ के माध्यम से इस यात्रा में शामिल होना हुआ है और यहां पर बड़ा जोश और उल्लास के साथ यहां पर इस यात्रा में बड़ा उत्साह जोश है और भगवान नाम को लेकर सनातन हिंदू एकदम पूरी तरह से गदगद है और उत्साहित है और श्रद्धा का जो पूरा भरपूर आनंद है वो देखने को मिल रहा है हजारों गाड़ियों के साथ हजारों लोगों के साथ हजारों सनातन हिंदुओं के साथ जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम हो रहे हैं। यह यात्रा रविवार हापुड़ विधानसभा में होकर जा रही है और जनता के लिए यह संदेश है कि अपने घर पर ही रहकर दीप जलाकर ही दिवाली मनाएं।

एक नज़र

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया चारणक्य सभागार का उद्घाटन

द अचीवर टाइम्स। सुशील अवस्थी

कोठवल सीतापुर। श्री राम जानकी इंटर कालेज -कोठवल में जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता ने चारणक्य सभागार का फीता काटकर उद्घाटन किया इस मौके पर प्रधानाचार्य राघवेंद्र सिंह वर्मा फायर ब्राण्ड भाजपा नेता गुरुनाम सिंह ,उमा शंकर कोरी ,दुर्विजय सिंह ,जिला पंचायत सदस्य राजेश यादव,अर्जुन सिंह चौहान दर्शन बाबू डॉ के के सिंह चौहान विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवम स्थानीय लोग मौके पर मौजूद रहे।

5 किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ मेरठ के 2 तस्कर गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। नगर कोतवाली उप निरीक्षक राहुल कुमार सिसोदिया ने पुलिस टीम के साथ मिलकर अपराध की रोकथाम एवं अवेध पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत श्यामनगर रोड से चेकिंग के दौरान दो अवैध मादक पदार्थ तस्कर शहजाद व फराज निवासी तालाब फैक्ट्री थाना लिसाड़ी गेट जनपद मेरठ को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से 05 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा एवं स्प्लेण्डर बाइक बरामद। उपरोक्त गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना हापुड़ नगर पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ की गली गली में गूंज रहे श्री राम के नारे

द अचीवर टाइम्स। प्रशान्त अवस्थी

लखनऊ। विधानसभा 172 उत्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली श्री राम शोभा यात्रा। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजधानी लखनऊ में खासा माहौल है। जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर मंडल 4 राम शरण सिंह मंडल अध्यक्ष व महिला मंडल अध्यक्ष गुड़िया निगम के नेतृत्व में श्री राम शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्त भगवा ध्?वज थामकर शामिल हुए।राजधानी लखनऊ राम नाम के रस में डूब गई है। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर लखनऊ में श्रीराम उत्सव शुरू हो गया है। श्रीराम उत्सव की पूर्व संध्या श्रीराम ध्वज के तले ठाकुर उत्सव लॉन से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ जो तमाम क्षेत्र की गलियों चौराहों से होते हुए विशेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर यात्रा का समापन हुआ। इस यात्रा में किशोर प्रजापति अनिल मिश्रा चेतन सिंह राहुल मिश्रा सरोज शर्मा सुधा पाल सुमित्रा देवी मंजू वर्मा रीता सिंह नम्रता सिंह ठाकुर प्रसाद पुनीत शुक्ला शैली गुप्ता सरिता पांडे माया देवी लक्ष्मी देवी सरोज शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्त शामिल हुए।

सफाई अभियान चलाकर साफ किए जा रहे देवस्थल

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। श्रीराम मन्दिर में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 14 जनवरी से विशेष स्वच्छता अभियान के दृष्टिगत जिला बाराबंकी विधानसभा हैदरगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत संसारा में स्थित बहुत ही प्रसिद्ध टिकरीवीर बाबा के नाम से जाना जाता है और बड़ी महिमा है परिसर में अपनी टीम के साथ साफ़ सफाई किया। इस अवसर पर भाजपा नेता आदर्श अवस्थी जिला अध्यक्ष बाराबंकी(विश्व हिंदू राष्ट्र सेना) युवा नेता ऋषि सिंह नगर अध्यक्ष हैदरगढ़ विश्व हिंदू राष्ट्र सेना, शिवांशु सिंह, संजय तिवारी, जिला उपाध्यक्ष (विश्व हिंदू राष्ट्र सेना) मानस वर्मा, देशराज, रमन यादव, अभिषेक साहू, सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

भारत के तेजी से उभरते ब्रांड डेंजफॉक्स की जानकीपुरम में हुई इंट्री

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजस्थान में तेजी से उभरती हुई पुरुष परिधानों की जानी-मानी निर्माता कम्पनी डेंजफॉक्स मैन्स वियर के एक्सक्लूसिव शोरूम का उद्घाटन 60 फिट रोड, विद्या वाचनालय के पास जानकीपुरम में हुआ। पहला शोरूम तेलीबाग में खोलने के बाद डेंजफॉक्स मैन्स वियर का दूसरा शोरूम है। ब्रांड डायरेक्टर जीतेंद्र यादव ने बताया कि इस एक्सक्लूसिव शोरूम में पुरुष परिधानों की नार्मल, कैजुअल और फार्मल ड्रेसेज उपलब्ध रहती हैं। हर सीजन के परिधानों के साथ शर्ट, पैंट, टाउजर एक्सक्लूसिव फाइबर्स से तैयार किए जाते हैं जो पुरुषों की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। स्टोर के सभी परिधानों की स्टिचिंग इन हाउस होती है जो कपड़ों को लम्बी आयु प्रदान करती है। लखनऊ में और स्टोर्स खोलने की बात करते हुए कहा कि जल्द ही राजधानी सहित उत्तर प्रदेश में ऐसे 70 एक्सक्लूसिव शोरूम खोले जाएंगे और पैन इंडिया में 350 से ज्यादा स्टोर्स अगले वित्तीय वर्ष तक खोले जाएंगे। फैंचाइजी प्रमुख ज्योति कृष्णा ने कहा कि ओपनिंग पर 70 प्रतिशत तक ऑफर्स उपलब्ध है। सीजनल पुरुष परिधानों के साथ वेंडिंग कलेक्शन भी मौजूद हैं और आने वाले समय में कुर्ता, पायजामा, बास्केट तथा शेरवानी, किड्स वियर, फीमेल वियर और फुट वियर की भी बड़ी रेंज उपलब्ध रहेगी। उद्घाटन के बाद विधायक जयदेवी कौशल ने डेंजफॉक्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जानकीपुरम में इस शोरूम के खुलने से स्थानीय निवासियों को दूर जाने की आवश्यकता नहीं रह जाएगी और ब्रांडेड कपड़े किफायती दामों में मिल सकेंगे। उद्घाटन समारोह में डेंजफॉक्स कम्पनी राजस्थान से जरनल मैनेजर सुधांशु शर्मा, सेल्स मैनेजर दिनेश शर्मा तथा मार्केटिंग हेड धीरज शर्मा मौजूद रहें।

शनि देव मंदिर में श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विशाल भंडारा और रात्रि में रामलीला मंचन का आयोजन किया जा रहा है

द अचीवर टाइम्स/निखिल मिश्रा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ में 22 जनवरी को अयोध्या धाम में श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दुबग्गा स्थित शनि देव मंदिर में एकदिवसीय विशाल भंडारा और रात्रि में रामलीला मंचन का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को अयोध्या धाम में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है जिस सिलसिले में देश के सभी मंदिरों में कोई न कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम और भंडारे का आयोजित किया जा रहे हैं इसी क्रम में दुबग्गा स्थित शनि देव मंदिर में भारत के जाने-माने 100 कलाकारों द्वारा रामलीला दिखाई जाएगी जिसमें राम जन्म से रावण की मौत तक के कई भाग दिखाएं जाएंगे साथ ही भव्य भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रसाद ग्रहण करने व रामलीला देखने के लिए क्षेत्र के दूर-दूर तक लोगों को आमंत्रित किया गया है कार्यक्रम आयोजन सीमित के अध्यक्ष बीनू शुक्ला ने समस्त क्षेत्रवासियों से उपरोक्त कार्यक्रम में शामिल होकर सफल बनाने के लिए अपील की है ।

बजाओ ढोल स्वागत में मेरे घर राम आए हैं

मसौली (बाराबंकी)। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को मसौली चौराहे पर स्थित एक लॉन में खिचड़ी भोज एवं शिवगंगा साहित्य सेवा समिति के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक राजकुमार सोनी ने कवियों को शाल भेंटकर सम्मानित किया। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कवयित्री नीरा सिन्हा ने पढ़ा कि मेरी चौखट पे चल के आज चारो धाम आए हैं, बजाओ ढोल स्वागत में मेरे घर राम आए हैं। कवि रामकिशोर तिवारी ने पढ़ा कि राम मंदिर है देश की निशानी मितवा, बोला झूमि झूमि सरजू के पानी मितवा। डॉ. ओपी वर्मा ने पढ़ा कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन हम अब दीपावली मनाएंगे, रामलला का पूजन करके गीत सनातन गाएंगे। प्रसिद्ध कवि डॉ. अमरीश अंबर ने सुनाया, बहू में बेटी नजर आए ननद भाभी पर इतराए, प्रीत में जहां रवानी है स्वर्ग की यह निशानी है।

पीड़ित महिला का देवर ही निकला 2 लाख 11 हजार रुपये की लूट करने वाला आरोपी

देवर सहित तीन लोग गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस टीम ने थाना क्षेत्रांतर्गत महिला के साथ घटित लूट की घटना का 12 घण्टे के अन्दर सफल अनावरण करते हुए पीडिता के देवर सहित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से लूटी गई शत-प्रतिशत नकदी 02 लाख 11 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद हुई है वहीं गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्राधिकार आशुतोष शिवम ने बताया कि 20 जनवरी शनिवार की रात्री को एक महिला द्वारा थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस को सूचना दी गई थी कि ब्रीव्हीलर से गढ़मुक्तेश्वर जाते समय ग्राम पौपाई इण्डियन आयल पैट्रोल पम्प के पास बाइक सवार अज्ञात अभियुक्तों द्वारा उसका बैग लूट लिया है जिसमें 2 लाख 11 हजार रूपये व कपड़े आदि थे। उक्त सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस व उच्चाधिकारीगण द्वारा मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना गढ़मुक्तेश्वर पर मु0अ0सं0 38/ 2024 धारा 392 भादवि बनाम अज्ञात बदमाश पंजीकृत किया गया तथा घटना के सफल अनावरण व बदमाशों की गिरफ्तारी हेत पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित टीम गढ़मुक्तेश्वर प्रभारी निरीक्षक महेन्द्र सिंह व उप निरीक्षक राजवीर सिंह ने पुलिस टीम के साथ मिलकर रविवार को दोपहर के समय झडीना नहर पुलिया कल्याणपुर से पीडित महिला का चचेरा देवर प्रेम कुमार पुत्र सूरज पाल सिंह व उसके अन्य दो साथी दीपेश उर्फ दीपक पुत्र आनन्दपाल सिंह व मनीष कुमार उर्फ मुंशी पुत्र संजीव उर्फ टीटू तीनों निवासी ग्राम न्याजपुर खैया थाना सिम्भावली हापुड को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में पीड़ित महिला के देवर प्रेम कुमार ने बताया कि महिला के पास रुपए होने की सूचना थी जिसको लेकर मेंने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से लूट की घटना को दिया था अंजाम। जिनके कब्जे से लूटी गई शत-प्रतिशत नकदी व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद हुई है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कल्याण सिंह वार्ड में पार्षद ने किया कंबल वितरण

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

लखनऊ। पारा पूरे प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से बहुत ही कड़ाके की ठंडक पड़ रही है जिससे आम नागरिक से लेकर पशु पक्षी भी इस भीषण ठंडक से काफी परेशान है, मा कल्याण सिंह वार्ड से पार्षद आशा रावत के पति सनी रावत एवं सरोसा भरोसा के लेखपाल विजय सिंह के द्वारा जिन लोगो के पास ठंडक से बचाव के लिए गर्म कंबल नहीं है। उन सभी पुरुष एवं बुजुर्ग महिलाओं को कंबल का वितरण किया गया। इस मौके पर पार्षद पति सनी रावत, सरोसा भरोसा लेखपाल विजय कुमार सिंह, संदीप कुमार, अनिल कुमार, अंकित राजवंशी, रंजीत रावत, आकाश रावत, अजीत कुमार, गोविंद, वरुण, गौरव, आनद मौर्या सहित अनेकों लोग मौजूद रहे। पार्षद पति सनी रावत ने सभी पुरुष एवं महिलाओं को बताया की ठंडक से बचाव के लिए वार्ड में जगह जगह अलाव के इंतजाम के लिए लकड़ियां भी भिजवाई जा रही है। अगर आप सभी लोगो के आस पास कोई ऐसा व्यक्ति या महिला है जो इस ठंडक में परेशान है और उसके पास ठंडक से बचाव के लिए कंबल नहीं है तो उसका नाम हमको बता दीजिए उसे कंबल दिया जायेगा और इस ठंडक में आप सभी लोग गर्म कपड़े पहन कर ही निकले क्योंकि यह ठंडक बहुत ही कड़ाके की ठंडक है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम उत्सव एवं भंडारा

द अचीवर टाइम्स। राज जयसवाल

लखनऊ। रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर में हर्ष का माहौल छाया हुआ है. ऐसे में श्री राम के प्रति जानकीपुरम मुलायम तिराहा के पास प्रोफेसर डॉक्टर अमरीक सिंह की भी गहरी आस्था देखी गई है! श्री राजा राम के विराजमान होने से पहले थाना जानकीपुरम के मुलायम तिराहे पर दो अमरीक सिंह द्वारा विशाल भंडारा संपन्न हुआ! 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर में हर्ष का माहौल छाया हुआ है. एक और जहां राम भक्तों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है तो वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के लखनऊ जानकीपुरम के मुलायम तिराहे पर दो अमरीक सिंह के राम प्रति गहरी आस्था देखी गई है. बता दें कि जानकीपुरम मुलायम तिराहा में श्री राम के विराजमान होने से पहले दो अमरीक सिंह द्वारा एक विशाल भंडारा श्री राम के आगमन के लिए लगाया गया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले दो अमरीक सिंह (भूतपूर्व कुलपति) द्वारा लगाए गए इस विशाल भंडारे में हजारों लोगों ने सुबह से शाम तक प्रसाद ग्रहण किया।

गोपेश्वर गौशाला परिवार मलिहाबाद ने दो निर्धन जोड़ों की विधि विधान से विवाह संपन्न कराया

द अचीवर टाइम्स। विकास सैनी

लखनऊ। त्रेता युग से धर्म और मर्यादा को अपने दामन में समेटे अयोध्या 500 सालों से अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के जन्मस्थली को लेकर एक संघर्ष भरी लड़ाई लड़ रही थी,जो लड़ाई खत्म हो चुकी है आज मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। एक बहुप्रतीक्षित विकास में, भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे दुनिया भर के हिंदुओं में अपार खुशी है। यह बहुप्रतीक्षित धार्मिक इमारत लाखों लोगों के लिए गहरा महत्व रखती है।इसी खुशी को मद्देनजर रखते हुए गोपेश्वर गौशाला परिवार मलिहाबाद ने दोनों निर्धन जोड़ों की विधि विधान से विवाह संपन्न कराया।साथ ही देर रात तक भजन संध्या कार्यक्रम चलता रहा। आपको बता दें कि गोपेश्वर गौशाला प्रांगड़ में क्षेत्र के गरीब असहाय परिवारों के 2 जोड़े शादी के पवित्र बंधन में बंधे गोशाला परिवार के उमाकांत गुप्ता ने बताया कि भगवान श्रीराम अपने भव्य दिव्य मंदिर में विराजमान हो रहे है इस अवसर पर गोशाला परिवार गरीब असहाय परिवार की लड़कियों की शादी करवाकर मना रहे है। वही अंशुल गुप्ता स्वाति गुप्ता निवासी मलिहाबाद ने गीता देवी,रोहित निवासी मधवापुर सीतापुर और छोटी,मंगल निवासी तारापुर सीतापुर का कन्यादान गौशाला परिवार के सदस्यों संग किया गया। इस कार्यक्रम में गौशाला परिवार द्वारा नवविवाहित जोड़ों को 25 हजार रूपये तक की कीमत के घरेलू सामान सहित सोने चांदी के आभूषण नगदी सहित अन्य उपहार दिए गए। वही रूपेश मिश्र ने बताया कि 2 जोड़ों को गृहस्ती का सामान वितरित किया गया साथ ही विगत वर्षों में अधिक से अधिक असहाय गरीब कन्याओं की शादी गौशाला परिवार संपन्न करवाने की रूपरेखा तैयार कर रहा है। इस कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर पंकज गुप्ता शैलेंद्र पांडे सुनील गुप्ता सोनू सिंह सहित पूरे क्षेत्र के दर्जनों प्रधान और सदस्य क्षेत्र पंचायत उपस्थित रहे।विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते के लिए एसीपी वीरेंद्र विक्रम,युवा भाजपा नेता डाक्टर पुष्पेंद्र पासी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र अवस्थी,विहिप नेता भूपेंद्र गौशाला पहुंचे।

शाही भोज में शामिल हुई प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनने पहुंचीं देश की नामचीन हस्तियां

संवाददाता

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर डेढ़ सौ चुनिंदा मेहमानों को रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राज सदन में शाही भोज में आमंत्रित किया। इसमें फिल्म से लेकर खेल जगत के लोग शामिल रहे। नव्य और भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनने देश की कई नामचीन हस्तियां रविवार को अयोध्या पहुंच गई। इनमें से कई ने यहां आने के बाद रामनगरी की अलौकिक छवि को निहारा। 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले समारोह की पूर्व संध्या पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने डेढ़ सौ चुनिंदा मेहमानों को राज सदन में शाही भोज भी दिया। इस दौरान अयोध्या के राज परिवार ने अवध की परंपरा के अनुरूप अतिथियों की अगवानी और सत्कार किया। समारोह के ठीक एक दिन पहले रामनगरी पहुंचने वाले विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार भी शामिल रहे। इनके अलावा संघ और विहिप के कई अन्य शीर्ष पदाधिकारी भी आ गए हैं। अयोध्या पहुंचने पर संघ और विहिप प्रमुख का ट्रस्ट की ओर से महासचिव चंपत राय व अन्य ट्रस्टियों ने स्वागत किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संघ प्रमुख भी मंच पर रहेंगे। भागवत ने ट्रस्ट महासचिव से समारोह की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली। इनके अलावा अन्य खास मेहमानों में आध्यात्मिक धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर, फिल्म अभिनेता रजनीकांत, अनुपम खेर, विवेक ओबेराय, सुनील लहरी, अभिनेत्री हेमामालिनी, दीपिका चिखलिया, फिल्म निर्देशक सुभाष घई, मधुर भंडारकर, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, संगीतकार इलैयाराजा, शंकर महादेवन, आदिनाथ मंगेशकर, नृत्यांगना सोनल मान सिंह, पार्श्व गायिका ऊषा मंगेशकर, अनुराधा पौडवाल, कविता पौडवाल, मालिनी अवस्थी, वेट लिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी, फुटबाल खिलाड़ी बाईचुंग भूटिया, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, सेंसर बोर्ड के चेयरमैन प्रसून जोशी, धाविका पीटी ऊषा व दूरदर्शन के महानिदेशक गौरव द्विवेदी प्रमुख हैं। इनमें से कई जाने-माने चेहरों के साथ डेढ़ सौ के करीब मेहमान रविवार की शाम ट्रस्ट के विशेष आमंत्रण पर अयोध्या राज परिवार के राज सदन पहुंचे। यहां पर राज परिवार की ओर से ट्रस्टी विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र और प्रख्यात संगीत अध्येता यतींद्र मिश्र ने सभी का स्वागत किया। इनको शाही भोज में अवध के पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। मेहमानों के मनोरंजन के लिए भारतीय शैली के गायन और वादन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

एक नज़र

छात्राओं ने बनाई राम नाम की मानव श्रृंखला, सुंदरकांड का किया पाठ

लखनऊ। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाई और सुंदरकांड का पाठ किया। इसका वीडियो जिले में वायरल हो रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर हर कोई राममय होता नजर आ रहा है। बच्चे, बड़े और बूढ़े हर कोई अयोध्या में होने वाले इस भव्य आयोजन को यादगार बना रहा है। श्रावस्ती जिले के भिनगा में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय भयापुरवा की छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर राम लिखा और सुंदरकांड का पाठ किया। इस वीडियो को यूपी सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने संज्ञान में लिया और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

रामलला हो रहे विराजमान, देश भर के बड़े मंदिरों में हो रहा गुणगान, भक्तों से की जा रही भजन-कीर्तन की अपील

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के पहले प्रदेश के सारे मंदिर भी राममय हो गए हैं। मंदिरों के एक्स हैंडल से श्रीराम लला विग्रह एवं नव्य राम मंदिर की तस्वीरें साझा की जा रही हैं और राम भक्तों से दीपोत्सव और भजन कीर्तन करने की अपील की जा रही है। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे सिर्फ रामभक्तों में ही नहीं, बल्कि देश भर के पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में भी उत्सव की तैयारियां हो रही हैं। 22 जनवरी को इस उत्सव से पहले विभिन्न पौराणिक मंदिरों की ओर से भगवान राम का गुणगान करते हुए भक्तों से इस दिन दीपोत्सव, भजन-कीर्तन एवं श्रीराम साधना की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी और पीएम मोदी भी इस आयोजन से पहले लोगों से अपने करीब के मंदिरों में साफ सफाई और राम संकीर्तन की अपील कर चुके हैं। साथ ही सभी से आग्रह किया गया है कि लोग अपने घरों में दीपोत्सव के माध्यम से राम ज्योति अवश्य प्रज्वलित करें। सालासर बालाजी धाम मंदिर के एक्स हैंडल से पूरे देश को इस नई दीपावली की शुभकामनाएं दी गई। हैंडल से किए गए पोस्ट में कहा गया है कि 500 वर्षों से जिस घड़ी का हम सब को इंतजार था वो आ गई है। अपने प्रभु के दर्शन हो गए हैं। प्रभु अपने सिंहासन पर विराजमान हो गए हैं। आज हर एक रामभगत %जय श्री राम%लिखकर प्रभु को समर्पित करे। इसी तरह, श्री महाकालेश्वर उज्जैन के एक्स हैंडल से श्रीरामलला की छवि को पोस्ट करते हुए उनके दर्शनों का वर्णन किया गया है। वहीं, केदारनाथ टेंपल श्राइन बोर्ड की ओर से प्राण प्रतिष्ठा किए जाने वाले श्रीरामलला के विग्रह की तस्वीर साझा करते हुए लिखा गया है मेरे राघव। एक अन्य पोस्ट में 500 वर्षों की प्रतीक्षा का जिक्र किया गया है तो एक पोस्ट में छवि साझा करते हुए कहा गया है प्रथम दर्शन बालस्वरूप भगवान। काशी विश्वनाथ मंदिर के ऑफिशियल हैंडल से सभी रामभक्तों को 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर के लिए बधाई दी गई है। साथ ही अपील की गई है कि सभी देशवासी इस उत्सव को धूमधाम से मनाएं। आस पड़ोस के मंदिरों में साफ सफाई कर भजन कीर्तन करने और सूर्यास्त के बाद सामूहिक रूप से दीपक जलाकर दीपोत्सव मनाने का आग्रह किया गया है। मंदिरों के अतिरिक्त मंदिरों से जुड़े विभिन्न हैंडल्स से भी उत्सव की अपील की गई है। 12 ज्योतिर्लिंग ऑफ महादेव के अकाउंट से श्रीरामलला के भव्य मंदिर की तस्वीर साझा की गई और लिखा गया कि श्रीरामलला के स्वागत हेतु श्रीरामजन्मभूमि फूलों से सुसज्जित हो रही है। वहीं, भगवत गीता की ओर से श्रीरामलला के विग्रह की छवि साझा करते हुए फॉलोअर्स से अपील की गई है कि क्या हम इस ऐतिहासिक छवि को लेकर जय श्री राम के 1008 कमेंट्स कर सकते हैं। इस पोस्ट को लाइक और रीशेयर करने का भी आग्रह किया गया है।

यूपीएसएसएफ की अभेद्य और अचूक सुरक्षा कवच में श्रीराम मंदिर

मानेसर में दी गई कमांडो को ट्रेनिंग

एजेंसी

लखनऊ। राम मंदिर की सुरक्षा अभेद्य होगी। इसके लिए खास कमांडो तैनात किए गए हैं। इनकी विशेष ट्रेनिंग मानेसर में दी गई है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर श्रीराम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एनएसजी से प्रशिक्षित यूपीएसएसएफ की महिला और पुरुष कमांडो को तैनात कर दिया गया। पूरे परिसर को अभेद्य और अचूक सुरक्षा कवच के बीच कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के लगभग 1450 जवान श्रीराम जन्मभूमि की सुरक्षा में तैनात हैं। अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार स्वयं मॉनीटरिंग कर रहे हैं। यूपीएसएसएफ के जवान रामजन्म भूमि परिसर, गर्भगृह और पेट्रोलिंग ड्यूटी के साथ रेड जोन की सुरक्षा में लगाए गए हैं। विभाग के जनसंपर्क अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि इन जवानों को हरियाणा के मानेसर में एनएसजी से प्रशिक्षण दिलाया गया और अत्याधुनिक हथियार से लैस किए गए। ये किसी भी संदिग्ध परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। बल में सिविल पुलिस और पीएसी के चुनिंदा जवानों की नियुक्ति की जाती है। इस बल में आने के बाद जवानों को तीन माह की स्पेशल ट्रेनिंग कराई जाती है। मंदिर की सुरक्षा में महिला और पुरुष कमांडो लगाए गए हैं। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मदेद्नजर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया है। उप महानिरीक्षक 11 वाहिनी एनडीआरफ वाराणसी मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर से विशेष रूप से प्रशिक्षित एवं चिह्नित टीमों को तैनात किया गया है। शर्मा ने बताया कि तीन टीमों को अयोध्या में तैनात की गई है। इनमें एक टीम केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर आपदा के लिए है। दूसरी टीम स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू के लिए है। तीसरी टीम को सरयू नदी में विभिन्न घाटों पर रेस्क्यू मोटर बोट, गोताखोर, पैरामेडिकल, लाइफ जैकेट इत्यादि के साथ तैनात हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रामनगरी का सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। शनिवार की रात से ही जिले समेत अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी गई हैं। यहां से बिना पास के किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री समेत अन्य अतिथियों के गुजरने वाले मार्ग पर बने मकानों का सत्यापन किया है। इनकी छतों पर भी कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र जवान मुस्तैद रहेंगे। अयोध्या धाम को जाने वाले मार्गों उदया चौराहा, साकेत पेट्रोल पंप, रानोपाली, टेढ़ी बाजार, मोहबरा, बूथ नंबर चार, बालूघाट, नयाघाट, रेलवे स्टेशन आदि पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त रहेगी। यहां सिविल पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बलों के जवान भी तैनात किए गए हैं। किसी को भी यहां से वाहन लेकर अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

बाबा रामदेव बोले, प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश को मिलेगी सांस्कृतिक स्वतंत्रता

एजेंसी

लखनऊ। बाबा रामदेव ने अयोध्या में कहा कि प्रभु श्रीराम क प्राण प्रतिष्ठा के लिए सभी मुहूर्त अच्छे होते हैं। राम मंदिर प्रभु श्रीराम की इच्छा से ही बन रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने आए संतों ने रविवार को राम की पैड़ी पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन से लेकर देश के साधु संतों के योगदान और राजनीति पर संतों ने बात की। योगगुरु रामदेव ने वार्ता की शुरुआत करते हुए कहा कि वर्ष 1947 में देश को राजनीतिक आजादी मिली थी, लेकिन अब श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश को सांस्कृतिक स्वतंत्रता मिलने जा रही है। इसका सभी देशवासी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त को लेकर कहा कि मंदिर निर्माण स्वयं प्रभु की इच्छा से हो रहा है और प्राण प्रतिष्ठा जब श्रीराम की हो तो सभी मुहूर्त दिव्य हो जाते हैं। इससे जुड़े सवाल करने वाले लोग अज्ञानी हैं। वहीं वार्ता में मौजूद साध्वी ऋतंभरा ने मंदिर आंदोलन के दिनों को याद करते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, लोग पूछते हैं कि इसका श्रेय किसे दिया जाए। गउन्होंने बताया कि इसमें असंख्य रामभक्तों का रक्त बहा है। कई माताओं के पुत्र छिने हैं, कइयों का सिंदूर मिटा है। घरों के आंगन सूने हो गए तब जाकर ये दिन देखने को मिला है। इस बीच उन्होंने कई ओजस्वी कविताओं का पाठ भी किया। प्रेस वार्ता में डॉ. परमात्मानंद सरस्वती, ज्ञानानंद महाराज, निर्मलानंदनाथ, माधवप्रियदास, आचार्य कृष्णमणि दास, संतोषदास (सतुआ बाबा) व आलोक दास मौजूद रहे।

वेद, पुराण और कुरान पर कार्यक्रम करते हैं मौलाना चतुर्वेदी

बोले- कोई यूं ही नहीं बनता मर्यादा पुरुषोत्तम

एजेंसी

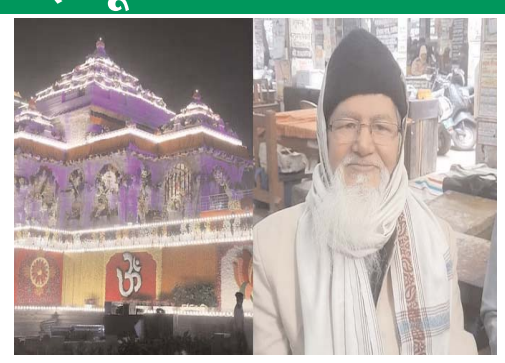

लखनऊ। मौलाना वहीदुल्लाह अंसारी चतुर्वेदी ने 1980 में वेद पढ़ना शुरू किया। चारों वेंदों का पूर्ण ज्ञान होने पर उन्हें चतुर्वेदी नाम दिया गया। वो वेद, पुराण और कुरान की समानता पर आधारित कार्यक्रम करते हैं। उन्होंने सऊदी अरब में भी इस तरह के कार्यक्रम किए हैं। कोई यूं ही मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं बन जाता है। अपनी सौतेली मां को दिए पिता के वचन को निभाने के लिये श्रीराम ने ऐश-ओ-आराम की जिंदगी छोड़कर तकलीफों से भरी जिंदगी बिताने को बेझिझक 14 साल के वनवास को अपना लिया। उन्होंने पैगाम दे दिया कि दुनिया में मां-बाप से बढ़कर दूसरा कोई नहीं होता। हमें श्रीराम से मां-बाप की आज्ञा का पालन करना सीखना चाहिए। ये कहते-कहते वेद, पुराण और कुरान की आयतों की समानता के जरिये मोहब्बत का पैगाम देने वाले मौलाना वहीदुल्लाह अंसारी चतुर्वेदी भावुक हो गए। उन्होंने पंडित बृज नारायण चकबस्त की रामायण की उन पंक्तियों से अपनी बात को आगे बढ़ाया, जब वनवास जाने से पहले श्रीराम अंतिम बार अपने माता-पिता से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने रुखसत हुआ वो बाप से लेकर खुदा का नाम, राहे वफा की मंजिलें-अव्वल हुई तमाम...। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक किताबें मोहब्बत का पैगाम देती हैं लेकिन धर्म के ठेकेदारों ने धर्म में मिलावट कर लोगों को गुमराह किया है। मौलाना वहीदुल्लाह अंसारी चतुर्वेदी अपने नाम में छिपे राज के बारे में कहते हैं कि वर्ष 1980 से वेद पढ़ना शुरू किया और चारों वेदों का पूर्ण ज्ञान हासिल करने के बाद चाहने वालों ने चतुर्वेदी नाम दे दिया। मौलाना ने चारों वेदों के बाद 18 पुराणों पर भी महारत हासिल की है। विभिन्न लेखकों की रामायण, गीता और बाइबिल का भी ज्ञान अर्जित कर रखा है। उन्हें हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, अरबी और संस्कृत भाषाओं में महारत है। वेद, पुराण और कुरान में समानताओं का जिक्र करते हुये मौलाना चतुर्वेदी ने कहा कि कल्कि पुराण में कल्कि अवतार के रूप में मुसलमानों के आखिरी नबी मोहम्मद साहब का जिक्र है। उन्होंने आदम-हौवा, मनु-शतरूपा, एडम-ईव एक ही है। इसी तरह से अल्लाह की बड़ाई करने वाली अरबी में जहां सात आयत हैं तो वहीं संस्कृत में भी सात श्लोक हैं। मौलाना वहीदुल्लाह चतुर्वेदी मौजूदा वक्त में बाबूराव कुमठेकर की ज्ञानेश्वरी गीता का उर्दू अनुवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश्वरी गीता असली भगवतगीता के काफी करीब है। मौलाना चतुर्वेदी वेद, पुराण और कुरान में समानता को लेकर सऊदी अरब में भी कार्यक्रम कर चुके हैं। बताया, 2008 में कार्यक्रम में उन्हें डेढ़ लाख रुपये का पुरस्कार मिला था।

मंदिर प्रांगण में दो घंटे गूंजेगी पखावज, बांसुरी और ढोलक की स्वर लहरी

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर परिसर में दो घंटे तक विभिन्न वाद्ययंत्रों का वादन होगा। मंदिर प्रांगण में उत्तर प्रदेश के पखावज, बांसुरी और ढोलक की स्वर लहरी गूंजेगी। भक्ति भाव से विभोर अयोध्या धाम में सोमवार को श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत मंगल ध्वनि से होगी। 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र, विभिन्न राज्यों से लगभग 2 घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे। यह भव्य संगीत कार्यक्रम हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर का प्रतीक होगी, जो प्रभु श्री राम के सम्मान में विविध परंपराओं को एकजुट करने का कार्य करेगी। इस मांगलिक संगीत कार्यक्रम के परिकल्पनाकार और संयोजक यतीन्द्र मिश्र हैं, जो प्रख्यात लेखक, अयोध्या संस्कृति के जानकार और कलाविद है। इस कार्य में उनका सहयोग केंद्रीय संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली ने किया है। श्रीरामजन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के पुनीत और ऐतिहासिक अवसर पर प्रातः 10 बजे से प्राण-प्रतिष्ठा मुहूर्त के ठीक पहले तक, लगभग 2 घण्टे के लिए श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर में शुभ की प्रतिष्ठा के लिए %मंगल ध्वनि का आयोजन किया जाएगा। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति की परम्परा में किसी भी शुभ कार्य, अनुष्ठान, पर्व के अवसर पर देवता के सम्मुख आनन्द और मंगल के लिए पारम्परिक ढंग से मंगल- ध्वनि का विधान रचा गया है। इसी सन्दर्भ में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का यह अवसर, प्रत्येक भारतवासी के लिए शताब्दियों में होने वाला ऐसा गौरव का क्षण है, जब हम सम्पूर्ण भारत के विभिन्न अंचलों और राज्यों से वहां के पारम्परिक वाद्यों का वादन यहां श्रीरामलला के सम्मुख करने जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों के पच्चीस प्रमुख और दुर्लभ वाद्य यन्त्रों के मंगल वादन से अयोध्या में ये प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न होगा। इसे उन वादों के दक्ष कलाकार प्रस्तुत करेंगे। भारतीय परंपरा के वादन में जितने प्रकार के वाद्ययंत्र हैं, सभी का मंदिर प्रांगण में वादन होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का पखावज, बांसुरी, ढोलक, कर्नाटक का वीणा, महाराष्ट्र का सुंदरी, पंजाब का अलगोजा, ओडिशा का मर्दल, मध्यप्रदेश का संतूर, मणिपुर का पुंग, असम का नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ का तंबूरा, बिहार का पखावज, दिल्ली की शहनाई, राजस्थान का रावणहत्था, बंगाल का श्रीखोल, सरोद, आंध्र का घटम, झारखंड का सितार, गुजरात का संतार, तमिलनाडु का नागस्वरम,तविल, मृदंग और उत्तराखंड का हुड़का, ऐसे वाद्ययंत्रों का वादन करने वाले अच्छे से अच्छे वादकों का चयन किया गया है। ये वादन ऐसे समय में चलेगा जब प्राण प्रतिष्ठा का मंत्रोच्चार और देश के नेतृत्व का भाषण नहीं हो रहा होगा। महत्वपूर्ण की बात ये है कि ऐसे श्रेष्ठ लोग यहां स्वयं प्रेरणा से आ रहे हैं।

यूपी सरकार की पूर्व मंत्री स्वाति सिंह के खिलाफ वारंट जारी, 2016 में दर्ज हुआ था मामला

संवाददाता

लखनऊ। यूपी सरकार की पूर्व मंत्री स्वाति सिंह के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। वह एक मामले में गवाही देने के लिए कोर्ट में हाजिर नहीं हुई थीं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के परिवार की महिलाओं के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के मामले में आरोपी बनाए गए बसपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, अतर सिंह राव और नौशाद अली के मामले में गवाही देने के लिए हाजिर न होने पर पूर्व मंत्री स्वाति सिंह के खिलाफ वारंट जारी हुआ है। एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की है। बताते चलें कि इस घटना की रिपोर्ट पूर्व मंत्री स्वाति सिंह की सास और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की मां तेतरा देवी ने 21 जुलाई 2016 को हजरतगंज थाने में दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि 20 जुलाई 2016 की दोपहर राज्यसभा में बसपा सुप्रीमो मायावती ने उनकी बेटी, बहू व नातिन के साथ-साथ देश की समस्त महिलाओं को गालियां दीं और अपशब्द कहे। इसके बाद 21 जुलाई 2016 को बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के बुलाने पर बसपा के राष्ट्रीय महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, मेवालाल आदि अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और वहां उनके पुत्र दयाशंकर सिंह को गालियां दीं तथा अभद्र टिप्पणी करते हुए बैनर लेकर प्रदर्शन किया था। इस मामले में स्वाति सिंह की गवाही चल रही है।

प्राण प्रतिष्ठा ही नहीं पीएम मोदी का भी होगा भव्य स्वागत, यूपी के संस्कृति विभाग ने की खास तैयारी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी में जुट गया है। डमरू वादन, मयूर लोक नृत्य, शंख वादन से दिव्यतम-भव्यतम स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर 2023 को रामनगरी आए थे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उनका अभूतपूर्व स्वागत किया गया। 22 जनवरी 2024 को वह अद्भुत क्षण होगा, जिसका 500 वर्षों से इंतजार था, लिहाजा आयोजन भी दिव्यतम होगा। इसे देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे भव्यतम बनाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर उप्र संस्कृति विभाग ने सारी तैयारी कर ली है। संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किया गए 100 मंचों पर 2500 लोक कलाकार सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे और नृत्य-गायन-वादन की अनेक विधाओं के जरिए कलियुग की अयोध्या में त्रेतायुग सा दीदार कराएंगे। रामनगरी में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर उनका भव्य स्वागत होगा। यहां 100 मंचों पर 2500 कलाकार भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे। 21 जनवरी को इसका पूर्वाभ्यास भी किया गया। 100 स्थानों पर कलाकार भारतीय संस्कृति की खुशबू अपनी प्रस्तुति से बिखरेंगे। इनमें एयरपोर्ट के गेट नंबर-3 के सामने, गुरुदेव पैलेस के सामने, दिशा कोचिंग के सामने, जीवन साथी मैरिज लॉन, साकेत पुरी मोड़, महोबरा ब्रिज से पहले और बाद, महेश योगी रामायण के सामने, सूर्या पैलेस होटल, मल्टीलेवल पार्किंग जानकी रसोई, साकेत पेट्रोल पंप, धर्मपथ से लता चौक की तरफ, लता चौक से श्रीराम पथ की तरफ, रामजन्मभूमि गेट नंबर-एक के सामने, अरुंधति कॉम्पलेक्स से एलईडी वॉल के बगल में टेढ़ी बाजार चौराहे तक, साकेत डिग्री कॉलेज के गेट नंबर-1 के सामने, सर्किट हाउस गेट के बगल में, रामपथ प्रारंभ, पराग डेयरी, श्रीराम मंदिर गेट से लता चौक की तरफ, होटल राजा राम पैलेस समेत 100 मंचों पर कार्यक्रम होगा। रामनगरी में सिर्फ अवध ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश नजर आएगा। वाराणसी के मोहित चौरसिया, राजेश उपाध्याय, दीपक शर्मा डमरू वादन से जहां रामनगरी में काशी की महिमा के जरिए अपने सांसद का स्वागत करेंगे तो अयोध्या के राजीव लोचन मिश्र शंख वादन से अतिथि देवो भवः की परंपरा का साक्षात्कार कराएंगे। गाजीपुर के सल्टू राम, संजय कुमार, आजमगढ़ के सुनील कुमार, मुन्ना लाल मंचों पर धोबिया लोकनृत्य की बहार बहाएंगे। गोरखपुर के छेदी यादव, रामज्ञान, विंध्याचल आजाद फरुआही नृत्य से माटी की खुशबू बिखरेंगे तो गोरखपुर की ही सुगम सिंह शेखावत व राकेश कुमार टीम के साथ वनटांगिया जनजातीय लोकनृत्य का दीदार कराएंगी। लखनऊ की जूही कुमारी अवधी, मानसी विष्ट उत्तरांचल के नृत्य से अभ्यागतों का स्वागत करेंगे। मथुरा के खजान सिंह व महिपाल बम रसिया तो राजेश शर्मा-मणिका, माधव आचार्य, गीतकृष्ण शर्मा मयूर लोकनृत्य से ब्रज की खुशबू से अवध को महकाएंगे। झांसी के प्रदीप सिंह भदौरिया की टीम राई लोकनृत्य प्रस्तुत करेगी। सोनभद्र के कतवारू मादल वादन तो महेंद 'कर्मा आदिवासी नृत्य पेश करेंगे।

सम्पादकीय

मानवतावादी दृष्टिकोण बदलने की अनूठी पहल

दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

किसी भी राष्ट्र का उत्थान वहां पर निवासरत लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास से सम्भव है। एक राष्ट्र के बहुआयामी विकास में शिक्षा महती निभाती है। यही वजह है कि जिन देशों की शिक्षा व्यवस्था समृद्ध है, वो देश वैश्विक फ़लक पर अधिक समृद्ध और संपन्न हैं।विगत कुछ वर्षों में भारत ने भी तरक्की के नित नए आयाम स्थापित किए हैं, जिसकी परिणीति यह हुई है कि भारत की पहचान वैश्विक परिदृश्य पर एक मज़बूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है।आज़ादी के अमृतकाल के दौरान भारत को जी-20 का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना अपने आप में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति करने वाला विषय रहा। जी-20, दुनिया के 20 बड़े देशों का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो दुनिया के बड़े भूभाग का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया की लगभग 85 प्रतिशत जीडीपी और 75 फीसदी ग्लोबल ट्रेड जी-20 देशों के पास है। विश्व की दो तिहाई आबादी भी जी-20 देशों में निवासरत है। भारत के पास नवम्बर 2023 तक इस समूह की अध्यक्षता रहने वाली है और इस दौरान भारत लगातार दुनिया को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

भारत और जी20 सम्मेलन

भारत, लोकतंत्र की जननी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जिस अवधारणा को हम सदियों से आत्मसात करके आगे बढ़ रहे हैं। उसी को केंद्र में रखते हुए जी-20 की थीम %एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य% रखा गया है। वर्तमान समय में दुनिया तमाम तरह के संकटों के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, विभिन्न देशों में गृह युद्ध की स्थितियों का निर्मित होना और कमज़ोर होती वैश्विक अर्थव्यवस्था इसी का हिस्सा है। शिक्षा का क्षेत्र भी एक तरह के संक्रमण काल से जूझ रहा है। जिसकी वजह से सतत विकास के लक्ष्यों को अर्जित करने में हम पिछड़ रहे हैं। आज दुनिया के सामने भुखमरी एक बड़ी समस्या हो सकती है तो दूसरी तरफ शिक्षा से वंचित बच्चों के आंकड़े हमें शिक्षण नीतियों में बड़े फेरबदल की दिशा में इशारा कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार दुनिया के 260 मिलियन बच्चें स्कूल का मुँह नहीं देख पाते हैं। ऐसे में जरा सोचिए कैसे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति हो पाएगी? शिक्षा ही है, जो किसी देश के मानव संसाधन को कुशल और उपगोगी बनाती है। ऐसे में जी-20 देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर कैसे बेहतर, न्यायसंगत, प्रासंगिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर सृजित हो सके। इस दिशा में पहल की जा रही है। भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह के देश एक एजुकेशन वर्किंग ग्रुप के तहत काम कर रहें हैं, जिसका उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और प्रौद्योगिकी के जरिए पठन-पाठन का माकूल वातावरण तैयार करना है। गौरतलब हो कि इसके लिए जी-20 शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) की स्थापना साल 2018 में अर्जेंटीना की अध्यक्षता में की गई थी। एक मेजबान राष्ट्र के रूप में भारत, पिछली अध्यक्षताओं के तहत शिक्षा के क्षेत्र की समस्याओं के समाधान एवं शिक्षा से संबंधित ऐसे विचार-विमर्शों को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव लगातार कर रहा है जोकि शिक्षा की पूर्ण परिवर्तनकारी क्षमता को साकार होने से रोक रही हैं। इस भावना के अनुरूप कई ऐसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सके। जी-20 के माध्यम से भारत ने दुनिया के सामने शिक्षा का एक नया खाका प्रस्तुत किया है। जो कहीं न कहीं विश्व की सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। भारत ने अपनी मेजबानी में शिक्षा कार्य समूह के सामने चार चरणों की एक रूप-रेखा पेश की है। जिसका पहला चरण बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान से सम्बंधित है। इसके दूसरे चरण में तकनीक की मदद से शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा देना, तीसरे चरण में भविष्य की जरूरत और कौशल विकास को ध्यान में रखना और चौथे और आखिरी चरण में शोध को बढ़ावा देना और साझेदारी सम्मिलित है। साधारण सी बात है कि अगर दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व रखने वाले इन देशों की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आगामी भविष्य में दृष्टिगोचर हो जाते हैं, तो वैश्विक परिदृश्य व्यापक स्तर पर बदल जाएगा। पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आ जाएगा।

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना

विश्व बंधुत्व और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना प्रगाढ़ होती परिलक्षित होगी और सबसे महत्वपूर्ण बात जो निकलकर आएगी वो ये होगी कि दुनिया के सामने एक ऐसा वैश्विक मॉडल उभरकर सामने आएगा, जहां दूसरी या तीसरी दुनिया जैसे शब्दों के लिए कोई स्थान शेष नहीं होगा। इतना ही नहीं, दुनिया इस तथ्य से भलीभांति अवगत है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत रही है और निः संदेह भारत की यही विरासत पुनः दुनिया के सामने भारतीयता का गौरव-गान कर रही है और हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्रस्तोता के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

भारत की अध्यक्षता में शिक्षा कार्य समूह (एजुकेशन वर्किंग ग्रुप) के अधिदेश में शिक्षार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को पहचानना और समझना शामिल है। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई ताकतों को आगे बढ़ाने में मदद करना, विशेषकर शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, सामग्री, मूल्यांकन और शिक्षाशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रतिबिंब को सक्षम बनाने के लिए बेहतर प्रयास कर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करना और 21 वीं सदी में आवश्यक कौशल, दक्षताओं, मूल्यों और दृष्टिकोण के लिए शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाना है। साथ ही शिक्षा कैसे मानव कल्याण के काम आ सके। इसके लिए प्रयास किए जाने हैं। जी- 20 ने हरित अर्थव्यवस्था में सतत परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए उल्लेखनीय प्रतिबद्धता को भी व्यक्त किया है। दुनिया ने कई बार वैश्विक मंचों से देखा और सुना है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कितने संजीदा हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी दुनिया को राह दिखाने का काम आगामी समय में भारत के नेतृत्व में जी-20 समूह करेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनिया गुटेरेस की मानें तो दुनिया का 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन जी-20 के देश करते हैं। ऐसे में 'लाइफ़ मिशन' इस क्षेत्र में कारगर साबित हो सकता है। लाइफ मिशन को कैसे सफ़ल बनाना है? इसके बारे में हमारा देश काफी सज़ग है और दुनिया को इस मामले में शिक्षित करने का माद्दा भारत रखता है। जी-20 के माध्यम से, भारत का लक्ष्य कार्य और समाज के भविष्य के संदर्भ में मूलभूत शिक्षा, आजीवन कौशल अधिग्रहण और उच्च शिक्षा की भूमिका पर विशेष जोर देने के साथ स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई को उत्प्रेरित करना है और जी- 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता लेते हुए भारत का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल में अंतर को पाटने के लिए जी-20 देशों के साथ मिलकर काम करना है। जिस दिशा में लगातार प्रयास जारी है। जी-20 शिखर सम्मेलन की थीम, 'वसुधैव कुटुंबकम' या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, भारत की प्राचीन मान्यता से मेल खाती है। चाहें हम कोरोना काल की बात करें या जलवायु परिवर्तन से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता की। भारत लगातार वैश्विक समस्याओं के निराकरण और वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष योगदान दे रहा है।

कुदरत के कारखाने में कितनी घड़ियां बनती हैं!

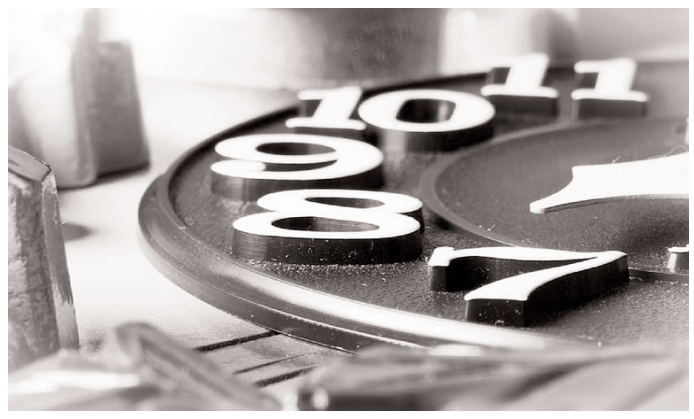

अभी स्पेनिश एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिता कर बाहर निकलीं। 1962 में मिशेल सिफर जमीन के नीचे 58 दिन बिताकर निकले थे, पर उन्हें लगा था कि सिर्फ 33 दिन हुए हैं। क्या हमारी देह की घड़ी, अकेली घड़ी है या कुदरत ने कई और घड़ियां तैयार की हैं?

समय एक रहस्य है, जो खुद पर से उतना ही पर्दा उठाता है कि लोगों में उसे समझने की जिज्ञासा बनी रहे। समय का यह आंशिक रहस्योद्घाटन अभी कुछ महीने पहले हुआ, जब स्पेन की एक एथलीट बेट्रिज फ्लेमिनी जमीन के अंदर एक गुफा में 500 दिन बिताकर बाहर निकलीं। जमीन के नीचे इतना वक्त शायद ही आज तक किसी ने गुजारा हो। फ्लेमिनी बताती हैं कि 65वां दिन आते-आते, उन्हें समय का कोई अंदाजा नहीं रह गया था। लेकिन क्या वह यकीनी तौर पर कह सकती हैं कि वह 65वां ही दिन था? इससे पहले 1962 में फ्रांस के मिशेल सिफर के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था, जब उन्हें लगा कि वह 33 दिनों तक जमीन से काफी गहराई में रहे, जबकि असल में, वह 58 दिन बाद बाहर निकले थे। एक नितांत अकेला शख्स वक्त को कैसे भांप सकता है, खासकर जिस दुनिया से वह घिरा रहता है, जब उससे कटा हुआ हो? एकबारगी तो यही लगता है कि इसमें दिक्कत नहीं आनी चाहिए, क्योंकि जैविक लय, जिसे कि जीवन का केंद्र भी माना जाता है, शरीर के रोम- रोम को संकेत देती रहती है। यह न केवल हमारे जागने- सोने के चक्र को, बल्कि, शरीर के ताप, हार्मोन, हृदय की धड़कनों इत्यादि सभी पर काबू रखती है। और, यह जो लय होती है, वह कई तरह से असर दिखाती है। मिसाल के लिए, अस्थमा रात में ज्यादा गंभीर होता है, जबकि हृदय से जुड़ी दिक्कतें अल-सुबह ज्यादा सामने आती हैं। शिफ्ट में जो लोग काम करते हैं, वे भी अपने परिवेश से अलग हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक उनमें कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। यह जैविक लय हमारे संपर्क में आने वाली दूसरी प्रजातियों से भी प्रभावित होती है।

जीन बनाते हैं जैविक घड़ी

पृथ्वी, चंद्रमा व सूर्य के घूमने से एक पर्यावरणीय चक्र पैदा होता है, जो जैविक घड़ियों की चाल को प्रभावित करता है। यह जैविक घड़ी हर मनुष्य समेत सभी प्राणियों के भीतर होती है। और, जब पर्यावरण से कोई संकेत न मिल रहा हो, तब यह जैविक घड़ी अपनी तरह से काम करती है। रात और दिन के बदलावों से शरीर में सर्केडियन रिदम का एक चक्र चलता है, जो हमारे शरीर में होने वाले मानसिक, व्यवहारिक और शारीरिक परिवर्तनों को प्रभावित करता है। प्रकाश और अंधेरे की प्रतिक्रिया के रूप में यह रिदम चौबीस घंटे का चक्र चलाती है। जैसे सामान्य घड़ियां सेल से चलती हैं, यह सर्केडियन घड़ी शरीर के भीतर जीनों के बीच जो संवाद चलता है, उससे चलती हैं। जीनों के बीच संवाद शरीर की कोशिकाओं में दोलन पैदा करता है, और इस दोलन से सर्केडियन घड़ी को ऊर्जा मिलती है। सर्कैडियन क्लॉक अपने संकेतों को उस अंधेरे और प्रकाश से समझती है, जिसके संपर्क में हम आते हैं। हमारे शरीर की सर्केडियन घड़ी हार्मोन के स्तर और शरीर के तापमान को नियंत्रित करके हमारे शरीर की अन्य घड़ियों के साथ सहयोग करती है। ऐसी कोई एकल सर्वव्यापी सर्केडियन घड़ी नहीं है, जो पूरे जीवन का व्यवस्थित करती हो, क्योंकि घड़ी के जीन विभिन्न प्रजातियों में अलग-अलग होते हैं। लेकिन बुनियादी सिद्धांत समान ही रहता है कि जीन दोलन के जरिये खुद को अभिव्यक्त करते हैं। इस संबंध में अब किए गए सभी जैविक अध्ययनों में यह बात सच साबित हुई है। मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे, कवक और यहां तक कि प्रकाश संश्लेषण से ऊर्जा प्राप्त करने वाले सायनो जीवाणु में भी यही चक्र मिलता है। जीवों और उनके पर्यावरण के साथ संबंधों का अध्ययन मुख्यत- प्रकाश, भोजन और तापमान को आधार बनाकर किया जाता है। सर्केडियन घड़ी को जेट लैग के उदाहरण से समझा जा सकता है। लंबी हवाई यात्रा के बाद हम पर रहने वाले उसके असर को जेट लैग कहते हैं। यह किसी व्यक्ति की आंतरिक लय के उस समय-क्षेत्र से विचलन को दर्शाता है, जिसमें वह इस वक्त है। अमूमन पर्यावरणीय संकेतों को समझने का सबसे कारगर जरिया प्रकाश को माना जाता है। दिन का प्रकाश जैविक घड़ी पर कोई असर नहीं डालता। लेकिन सूर्योदय के ठीक पहले का अंधेरा इसे आगे बढ़ाता है। होमो सेपियंस की आंतरिक सर्केडियन घड़ी 24.2 घंटों में एक चक्कर पूरा करती है। इसीलिए हमें पूर्व के छोटे दिनों की तुलना में पश्चिम के बड़े दिनों के साथ तालमेल बैठाना आसान लगता है। कई एथलीट और शोधकर्ता खुद को सबसे अलग-थलग करते हुए कुछ दिनों के लिए जमीन के नीचे गहराई में रखते हैं। इससे वह, सतह पर चल रहे समय चक्र से खुद को अलग कर लेते हैं। यही वजह है कि, जमीन के नीचे उन्हें सतह की तुलना में कम दिन अनुभव होते हैं।

दूसरे समय, दूसरी घड़ियां

सर्केडियन घड़ी प्रकृति में मौजूद एकमात्र घड़ी नहीं होती। कई जैविक प्रक्रियाएं मौसमी होती हैं। मिसाल के लिए, कई पक्षियों व कीड़ों का अप्रवासन, कई पशुओं की शीत निद्रा व प्रजनन का तरीका इत्यादि। ये जैविक घड़ियां कई कारकों से निर्धारित होती हैं और चक्रीय क्रम में काम करती हैं। लेकिन, इन घड़ियों की प्रक्रियाएं अभी पूरी तरह समझी नहीं जा सकी हैं। समुद्री प्रजातियों में ये जैविक घड़ियां कैसे काम करती हैं, इस पर भी फिलहाल निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इसकी वजह यह है कि समुद्र के तापमान का जो पैटर्न होता है, वह काफी जटिल होता है। समुद्री जीव दिन और रात के सौर चक्र के सीधे संपर्क में आते हैं। ज्वार-भाटे की स्थितियां भी समुद्री पर्यावरण को प्रभावित करती हैं। समुद्री चक्रों से जुड़ी जैविक लय को विभिन्न समुद्री प्रजातियों में देखा जा सकता है। मिसाल के लिए, कई मूंगों में प्रजनन का एक पैटर्न होता है। ये साल में केवल एक बार बहुत कम समय के लिए अंडे देते हैं। कुछ समुद्री जीव रात के सबसे अंधेरे समय में प्रजनन शुरू करने के लिए झुंडों में निकलते हैं। वर्ष 2020 में वैज्ञानिकों ने एक दिलचस्प खुलासा किया कि जैविक लय केवल समुद्र के ऊपरी हिस्सों तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों ने समुद्र में 1,700 मीटर की गहराई के चरम वातावरण में पाए जाने वाले जीवों में प्रकृति से तालमेल बैठाने का पैटर्न दिखा है। इन तमाम घड़ियों की खोज अब भी जारी है। जितना हम जानते जाएंगे, शायद यह रहस्य और चुंबकीय होता जाएगा।

क्या ये किसी व्यक्ति का नाम? पुराणों में बताई गई इनकी संख्या

वेदव्यास नाम के लोगों की संख्या के पीछे कारण यह है कि वेदव्यास, दरअसल, किसी व्यक्ति का नाम है ही नहीं! 'वेदव्यास',वास्तव में एक पद अथवा उपाधि है। यदि पूछा जाए कि महाभारत और पुराणों की रचना किसने की तो स्पष्ट तौर पर इसका उत्तर होगा, वेदव्यास ने। परंतु यदि कोई यह पूछ ले कि कौन-से वेदव्यास ने, यानी पहले, दूसरे, तीसरे या पांचवें या आठवें वेदव्यास ने? तो ऐसे में यह शंका उठना स्वाभाविक है कि कुल वेदव्यास हैं कितने? विष्णु पुराण के अनुसार अब तक वेदव्यास रह चुके लोगों की की संख्या दो, चार, छह या आठ नहीं, अपितु अट्ठाईस है! एक ही नाम के इतने सारे व्यक्ति कैसे हो सकते हैं, वह भी तब, जबकि नाम हो वेदव्यास, जिनका नाम संसार आदर से लेता है। उनकी रचनाएं युगों-युगों से हिंदू धर्म की चेतना को ऊर्जान्वित करती आई हैं! वेदव्यास, दरअसल, किसी व्यक्ति का नाम है ही नहीं! 'वेदव्यास',वास्तव में एक पद अथवा उपाधि है। वेदव्यास के पद पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति वेदव्यास कहलाता है, हालांकि उसका वास्तविक नाम कुछ और होता है। वेदव्यास के पद पर बैठने वाले व्यक्ति का कार्य अत्यंत विशिष्ट होता है और उस कार्य के संपन्न हो जाने के उपरांत वह व्यक्ति वेदव्यास के पद से हट जाता है। फिर अगले कालखंड में उस पद पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति होती है। तब वह व्यक्ति अगला 'वेदव्यास' बनता है। अनेक युगों से वेदव्यास पद पर बैठने वाले लोग बदलते रहे हैं और इस तरह यह संख्या बढ़ते-बढ़ते आज अट्ठाईस तक जा पहुंची है। वर्तमान समय के वेदव्यास इसी दीघर्कालिक व्यास-परंपरा के 28वें सदस्य हैं। व्यास पद पर बैठने वाले व्यक्ति का वास्तविक नाम कुछ और होता है। वर्तमान वेदव्यास का असली नाम कृष्ण द्वैपायन है। कहते हैं, द्वापर युग में महर्षि पराशर से निषाद-कन्या सत्यवती ने एक पुत्र को जन्म दिया। चूंकि उस बालक का जन्म एक द्वीप पर पैदा हुआ था और जन्म के समय उसका रंग सांवला (कृष्ण-वर्ण) था तो उसका नाम हुआ, कृष्ण द्वैपायन। यही बालक कृष्ण द्वैपायन, आगे चलकर 28वां वेदव्यास कहलाया। वेदव्यास के पद में कौन-सी ऐसी विशेषता है कि इस पद पर अलग-अलग लोगों की नियुक्ति होती है? विष्णु पुराण के अनुसार, मनुष्य का बल और तेज इतना अल्प है कि उसके लिए वेदों को समझना संभव नहीं है। इसलिए प्रत्येक द्वापर युग में भगवान विष्णु स्वयं वेदव्यास के रूप में अंश अवतार लेते हैं और समस्त प्राणियों के हित के लिए वेदों का विभाजन करते हैं। भगवान, जिस रूप में इस बृहत कार्य को संपन्न करते हैं, उसी रूप का नाम वेदव्यास है।

द्रोण-पुत्र अश्वत्थामा होंगे 29वें वेदव्यास

सत, त्रेता, द्वापर और कलि ये चार युग हैं। ऐसे इकहत्तर चतुर्युग मिलने पर एक मन्वंतर बनता है। प्रत्येक मन्वंतर में 71 सत्युग, 71 त्रेता, 71 द्वापर और 71 कलियुग होते हैं। प्रत्येक द्वापर युग में वेदव्यास का जन्म होता है। एक मन्वंतर में 71 बार वेदव्यास की नियुक्ति होती है। वर्तमान मन्वंतर में 28 वेदव्यास हो चुके हैं और 43 वेदव्यास का जन्म होना अभी शेष है! कृष्ण द्वैपायन से पहले हुए 27 वेदव्यास कौन थे? विष्णु पुराण में सभी 28 वेदव्यासों के नाम मिलते हैं जो निम्न प्रकार हैं- ब्रह्मा, प्रजापति, शुक्राचार्य, बृहस्पति, सूर्य, मृत्यु, इंद्र, वसिष्ठ, सारस्वत, त्रिधामा, त्रिशिख, भरद्वाज, अंतरिक्ष, वर्णी, त्रय्यारुण, धनंजय, ऋक्षुंजय, जय, भरद्वाज, गौतम, हर्यात्मा, वाजश्रवा, तृणबिंदु, ऋक्ष, वाल्मीकि, शक्ति, पराशर, जातुकर्ण, और अंत में कृष्ण द्वैपायन। इसी शृंखला में विष्णु पुराण कहता है कि अगले द्वापर युग के वेदव्यास, यानी 29वें वेदव्यास द्रोण-पुत्र अश्वत्थामा होंगे।

आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है, दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है जैसी यह है

हमारे पास छोटे-छोटे रोबोटों से बनी एक आत्मा है, कोई भगवान नहीं है। इसे तार्किक ढंग से समझा जा सकता है। लेकिन लोग चाहते हैं कि स्वयं जीवन ही वास्तविक जादू हो। मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं कि जीवन का जादू किस प्रकार विकसित हो रहा है। आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है। आपको इस दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है, जैसी कि यह वास्तव में है। आपका मस्तिष्क या कहें तो पूरा शरीर कोशिकाओं से बना है। कोशिकाओं को खुद को जीवित रखने के लिए ऊर्जा की आपूर्ति बनाए रखनी होती है। इसमें एक मेटाबॉलिज्म है। ये छोटे-छोटे रोबोट हैं। उनके पास खरबों मोटर प्रोटीन्स हैं। वे मस्तिष्क के इन छोटे-छोटे राजमार्गों पर चीजों को लेकर चलते हैं। मोटर प्रोटीन्स या राइबोजोम्स जीवित नहीं होते। लेकिन इन मॉलक्यूलर मशीनों के बिना जीवन का अस्तित्व नहीं। हमारे पास छोटे-छोटे रोबोटों से बनी एक आत्मा है, कोई भगवान नहीं है। इसे तार्किक ढंग से समझा जा सकता है। लेकिन लोग चाहते हैं कि स्वयं जीवन ही वास्तविक जादू हो। मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं कि जीवन का जादू किस प्रकार विकसित हो रहा है। आपको चमत्कारों की जरूरत नहीं है। आपको इस दुनिया को वैसे ही समझने की जरूरत है, जैसी कि यह वास्तव में है। हम भाग्यशाली हैं कि जीवित हैं! लोग जादुई विकल्पों को छोड़ने के बारे में चिंता महसूस करते हैं। पर न समझ में आने वाली चीजों के बारे में मैं जितना समझता गया, मेरी चिंता उतनी ही कम होती गई। किसी भी चीज से अद्भुत वह मेरा भगवान है, जिसकी मैं कल्पना कर सकता हूं, लेकिन वह जादुई नहीं है। मानव मन के भीतर नियंत्रण का सारा काम भावनाओं के जरिये होता है। आपके लैपटॉप में एक ऑपरेटिंग सिस्टम होता है। उस अर्थ में हमारे मस्तिष्क में कोई ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है, सब भावनाओं की उथल-पुथल है। खुशी की बात है कि हमने यह सीख लिया है कि उन भावनाओं का कैसे उपयोग किया जाए। जब आप गुस्से में होते हैं, तो एक तरह के शब्द का उपयोग करते हैं। जब आप खुश होते हैं, तो दूसरे तरह से शब्दों का उपयोग करते हैं। यह सब भावनाओं से नियंत्रित होता है। समाज भरोसे पर निर्भर है। पर अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के चलते विश्वास गंभीर रूप से खतरे में है। एआई समुदाय में बहुत लोग हैं, जो संभावनाओं को देखते हैं, पर जोखिम और जिम्मेदारी के बारे में नहीं सोचते। मैं उनसे कहूंगा कि रुकिए, आसानी से नकल तैयार करने वाला उपकरण बनाना अच्छी बात नहीं है, यह लोगों को इस तरह बदलेगा कि उनका भरोसा खत्म हो जाएगा।

राम की है तलाश ! अखबारों की सुर्खियां बता रही हैं, आ रहे हैं राम

संवाददाता

लखनऊ। पत्रकारों की मान्यता, अभिमान, स्वाभिमान, खबरों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए एक पहल । किसी शायर के कहे हुये खूबसूरत अल्फाज़, गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए-जंग में, का सूरतें हाल आज मीडिया जगत में चरितार्थ होते दिख रहा है। जहां धारदार कलम से आईना दिखाती खबरों का प्रवाह थमता सा दिख रहा है, वहीं अगर किसी ने ईमानदारी से पत्रकारिता को अंजाम देने की कोशिश की तो उस पर अनर्गल आरोप लगाते हुए न सिर्फ मुकदमे दर्ज हो रहे हैं बल्कि सांसद, विधायक, सभापति के शिकायती पत्रों के माध्यम से चरित्र हनन करके गिराया जा रहा है। सूरते हाल यही रहा तो भविष्य में पार्षद, वार्ड अध्यक्ष, गली मोहल्ले के नेताओं के शिकायती पत्रों के माध्यम से पत्रकारों पर कार्यवाही किए जाने की एक नई कुत्सित प्रथा का जन्म होगा जिसको हम सभी तमाशबिन बनकर देखेंगे। फिक्र इस बात की नहीं है कि अंजाम-ऐ-गुलिस्तां क्या होगा, डर तो इस बात का है कि, आज मेरी तो कल आपकी बारी है। हमारी खामोशी और हमारे पत्रकार संगठनों की लाचारी कहीं ना कहीं शासन प्रशासन को आईना दिखाती खबरों और पत्रकारों पर अंकुश लगाने का एक ऐसा मंत्र देंगी जिसका विरोध नहीं किया गया तो आने वाली पत्रकारिता को हम अभिव्यक्ति की आज़ादी और खुले विचारों से लिखने की स्वतंत्रता को समाप्त करने के दोषी माने जायेंगे। इस तथ्य से इंकार नही किया जा सकता कि पत्रकारिता क्षेत्र में खबरों को आधार बनाकर ब्लैकमेल करना बड़ा आसान है परंतु खबरों को अंजाम तक पहुंचा कर खबर की असर का परचम लहराने वाले पत्रकारों की तादाद भी कम नही है। पत्रकार को ब्लैकमेलर कहना भी एक आम धारणा बन गयी है परन्तु बाहुबली सांसद द्वारा खबरों का प्रवाह रोकने के लिये, सभापति सहकारिता, भाजपा विधायक और उ.प्र. के सहकारिता मंत्री द्वारा खबरों के सिलसिले को न रोकने पर एफ.आई.आर. लिखायें जाने की धमकी देना, ये बड़ी बात तो दिखायी देती है लेकिन ईमानदार पत्रकारिता के दम-ख़म के आगे दमदार सांसद के इतिहास, भूगोल और उनके अंतरराष्ट्रीय माफिया स्तर के संबंध भी बौने दिखायी देते है । अनेक पत्रकारों को अपने रसूख, मालदार व्यक्तित्व से बड़ी आसानी से दरबारी बनाने वाले बाहुबली सांसद, कद्दावार मंत्री को ख्वाबों में भी किसी पत्रकार से नफरमानी का अंदेशा नही होगा, ऐसे में उनके दमदार व्यक्तित्व को ठेस लगना स्वाभाविक है जिसके चलते साजिशों, षडयंत्रों का लंबा जाल बिछाया गया जिसमें सरकारी अधिकारियों को साथ मिलाया गया और सूचना निदेशक के माध्यम से बिना स्पष्टीकरण, बिना सुनवाई का अवसर दिये कार्यालय स्थानीय अभिसूचना इकाई की फर्ज़ी, भ्रामक, असत्य रिपोर्ट पर मान्यता समाप्त किये जाने का पत्र जारी किया गया। जिन प्रावधानों और नियमों का उल्लेख करते हुये मान्यता समाप्त की गयी उन नियमों में सूचना निदेशक को न तो कोई अधिकार है और न ही उनके द्वारा किसी पत्रकार की मान्यता समाप्त की जा सकती है जिसके संबंध में मा. उच्च न्यायालय, लखनऊ द्वारा वर्ष 1991 से अपने अनेक आदेशों में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। हालांकि मीडिया या पत्रकार की परिभाषा सूचना विभाग द्वारा निर्गत मान्यता से नही निर्धारित की जा सकती परन्तु वर्षो की तपस्या और परिश्रम उपरांत मिलने वाला मान्यता का दर्जा पत्रकारों के लिए भारत रत्न के समान गौरवशाली होता है और ऐसे निराधार शिकायती पत्रो पर कार्यवाही करना समाज को आईना दिखाती पत्रकारिता पर अंकुश लगाने जैसा होगा। ऐसे पत्रकार साथी जिनके ख़िलाफ़ आपराधिक मुकदमें दर्ज है एवं न्यायालय में लंबित वादों में जमानत पर रिहा होने के उपरांत पत्रकारिता के दायित्व का निर्वाहन किया जा रहा है उनको किन्हीं शिकायती पत्रों से भयभीत होने की आवश्यकता नही है क्योंकि मा. सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा मनोज नरूला बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में पारित आदेश में स्पष्ट किया है कि कानून किसी व्यक्ति को केवल इसलिए दोषी या अपराधी नहीं मानता क्योंकि उस व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक अपराध करने का आरोप लगाया गया है-चाहे वह बिना सोचे-समझे आरोप के रूप में हो या किसी अन्य मामले में आरोप के रूप में हो लेकिन सूचना निदेशक द्वारा ऐसे मामले में कार्यवाही किया जाना न्यायसंगत नही प्रतीत होता है। पत्रकारिता जगत की नई पीढ़ी को फर्ज़ी शिकायती पत्रों के खौफ से बचाने और इस कुत्सित प्रथा पर लगाम लगाने के लिए एक छोटा सा प्रयास हमारे द्वारा किया गया है जिससे नई पीढ़ी को इस डर से निजात दिलाई जा सके, वरना गली-मोहल्ले के नेता शिकायती पत्रों को तलवार बनाकर पत्रकारो को डराते धमकाते नजर आएंगे और शासन प्रशासन द्वारा फर्जी शिकायती पत्रों पर की गयी कार्यवाही से वर्षो की पत्रकारिता पर दाग लग जायेगा। फिलहाल कामरान अकेला ही चला है जानिबें मंजिल मगर तलाश मुझे उस राम की है जिसने अन्याय के विरोध में बाली को मारा, रावण को मौत के घाट उतारा, पुण्य को पाप से उबारा और इस युग में जो पत्रकारों को कलंकित करने का काम कर रहे हैं, फर्जी शिकायतों का अंबार लगा रहे हैं, ऐसे रावणों के दहन के लिये तलाश मुझे राम की है। आज के युग में भले ही रावण की तादाद ज्यादा है परन्तु जब हम सब साथ खड़े होंगे तो यकीनन हालात बदल जायेंगे वरना ये हालात और भी बदतर हो जायेंगे. जो किन्हीं कारणों से साथ नही आना चाहते उनसे किसी शायर के अल्फाज़ में इतनी सी गुज़ारिश है कि दुआ करे कि सलामत रहे मेरी हिम्मत, ये इक चिराग़ कई आंधियों पे भारी है, लेकिन अहंकारी रुप में पत्रकारिता पर प्रहार करते रावण का संपूर्ण विनाश/दहन के लिये आपके और राम के साथ के बिना अधूरी दिखती है ये पहल। आपके साथ, सहयोग की अपेक्षा में फ़क़त इतना कहना है कि 'उसूलों पर जहां आंच आए टकराना जरूरी है, जो ज़िंदा हो तो फिर ज़िंदा नज़र आना ज़रूरी है'।

(डॉ मोहम्मद कामरान)
स्वतंत्र पत्रकार

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली विशाल कलश शोभायात्रा

रामकुंडी से भरभरा आश्रम तक निकली शोभायात्रा

द अचीवर टाइम्स। पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश कटनी। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह है। समूची कटनी राममय है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रविवार को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा के द्वारा विशाल कलश शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। बैंड बाजों और डीजे साउंड की धुन के साथ निकाली गई इस विशाल शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा में हिस्सा लिया। विकासखंड समन्वयक बबीता शाह ने बताया कि पिपरिया सहलावन से रामकुंडी आश्रम भ्रमण के बाद शुरू हुई कलश शोभायात्रा डूंडी, भनपुरा कला, बार गांव के बाद बरेली से होते हुए भरभरा आश्रम पहुचीं। डीजे साउंड पर बज रहे भजनों पर जय श्री राम के नारे लगाते हुए रामभक्त नृत्य करते नजर आए। शोभायात्रा का ग्रामीणों ने जगह ,-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। लहराते भगवा ध्वज और शोभायात्रा में लग रहे जयकारों से समूचा क्षेत्र राममय रहा।शोभायात्रा में भगवान राम,लक्ष्मण और माता सीता के साथ हनुमानजी की सजीव झांकी शामिल रही।भरभरा आश्रम पहुँची कलश शोभायात्रा का स्वागत किया गया। आश्रम में संत बनवारी दास महाराज ने उपस्थित समुदाय को आशीष वचनों से संबोधित किया। श्रद्धालुओं ने संत महाराज का पूजन कर आशीर्वाद लिया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक ड़ॉ. तेजसिंह केशवाल ने कार्यक्रम को लेकर विस्तार से जानकारी दी। समाजसेवी राजेश चौरसिया ने 22 जनवरी को दीपावली की तरह अपने घरों और मंदिरों में दीपक जलाने एवं भगवा ध्वज फहराकर उत्सव मनाने कहा।कार्यक्रम पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस व्यवस्था चाक चौबंद रही।शोभायात्रा में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाएं, पिपरिया सहलावन, भटगवां, तिघरा,डूंडी, झिरिया टोला, भनपुरा कला, बार बरेली, इटवां की प्रस्फुटन समिति, सीएमसीएलडीपी स्टूडेंट्स, मेंटर्स, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधिओं के अलावा हजारों की संख्या में महिला- पुरुष शामिल रहे। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष सुनीता दुबे, समाजसेवी विजय दुबे, गोविंद सिंह, राजेश ब्यौहार, संतोष दुबे,जयपाल सिंह, प्रदीप चौरसिया, जनपद सीईओ यजुवेंद्र कोरी, एपीओ डा अजीत सिंह, मनीष हल्दकार,केपी परौहा, सचिव शैलेन्द्र परौहा, अनिल दीक्षित, सुरेश काछी,राजा भैया पटेल,बलराम गर्ग, सेक्टर प्रभारी प्रकाशनाथ साहू, अंकित झारिया, कोदुलाल हल्दकार, विकास हल्दकार, परामर्शदाता शैलेश दुबे, धर्मेन्द्र गर्ग, सुमित सिंह, अमरदीप जोगी, सुरेश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

प्रभारी मंत्री ने लोधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

रामनगर / बाराबंकी। प्रदेश के लोक निर्माण एवं जिले के प्रभारी मंत्री जितिन प्रसाद ने रविवार को लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर मंदिर परिसर की सफाई की। लोधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना की। उन्होंने मौके पर मौजूद पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से महादेवा कॉरिडोर बनाने के लिए प्रस्तावित कार्य योजना के बारे में जानकारी ली। विभाग के द्वारा सड़क कितनी चौड़ी की जाएगी तथा कितनी जमीन अधिग्रहण की जाएगी इस बारे में अधिकारियों ने जानकारी दी। इस दौरान बुढ़वल चौराहे बस स्टॉप पर नगर अध्यक्ष रामशरण पाठक के द्वारा व महादेवा डाक बंगले के पास ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। एमएलसी अवनीश सिंह, जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य पूर्व विधायक शरद अवस्थी एडीएम अरुण कुमार सिंह एसडीएम नागेंद्र पांडे पुलिस क्षेत्राधिकार हर्षित चौहान थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नेश जिला पंचायत प्रतिनिधि नानमून शुक्ला ग्राम प्रधान राजन तिवारी सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में फसे श्रमिकों की सुरक्षित वापसी

❖ सोमवार की सुबह तक कटनी पहुंचेंगे श्रमिक

द अचीवर टाइम्स से पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश। महाराष्ट्र राज्य में कटनी जिले के मुश्किल परिस्थितियों में फंसे श्रमिकों की वापसी हो रही है। ये सभी श्रमिक बहोरीबंद क्षेत्र के है। कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद के प्रयासों से एक बार फिर बहोरीबंद क्षेत्र के ग्राम टिकरिया एवं कुम्हरवारा के करीब 23 श्रमिक वापस आ रहे हैं। श्रम पदाधिकारी के बी मिश्रा ने बताया कि इन सभी श्रमिकों को गन्ना कटाई हेतु महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के अंतर्गत अक्कलकोट तालुका के घोणस गांव में किसी ठेकेदार द्वारा ले जाया गया था,उन सबकी सुरक्षित वापसी हो रही है। बहोरीबंद क्षेत्रीय विधायक प्रणय प्रभात पांडेय द्वारा श्रमिकों के महाराष्ट्र में फसे होने की जानकारी कलेक्टर को दी गई थी। कलेक्टर के संज्ञान में जानकारी आते ही जिला प्रशासन ने गंभीर प्रयास किया और सभी श्रमिकों को वापस बुलाने के प्रयास किये गये, और सम्बंधित जिला प्रशासन सोलापुर महाराष्ट्र से सीधे संपर्क कर सभी को वापस भेजनें का अनुरोध किया गया। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि श्रमिकों से चर्चा अनुसार सभी श्रमिक महाराष्ट्र के सोलापुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए रविवार सुबह ट्रेन पकड़ चुके है। सभी श्रमिकों के सोमवार सुबह तक कटनी पहुंचने की सम्भावना है। श्रम पदाधिकारी श्री मिश्रा, श्रमिकों के बराबर संपर्क में बने हुए हैं।

एक नज़र

रामलला की बाराबंकी में निकाली कलश यात्रा

ब्यूरो रिपोर्ट अखिलेश दास

दरियाबाद। सोमवार को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व दरियाबाद विकास खंड के इंदरपुर गांव में ग्राम प्रधान आनंद नारायण सिंह द्वारा रविवार को गांव में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा इंदरपुर गांव स्थित साई कृपा मंदिर से काली माता मंदिर होकर कल्याणी नदी तट स्थित पूरन दास मंदिर से होकर गांव का भ्रमण कर खानपुर शंभू दयाल गांव स्थित हनुमान मंदिर पहुंची। इस दौरान महिलाओं , बच्चों, पुरुषों ने बढ़ चढ़ कर कलश शोभा यात्रा में हिस्सा लिया । राम ध्वज लेकर भक्तो ने जमकर जय श्री राम के नारे लगाए इस दौरान पूरे गांव का माहौल रसमय था लोग डी जे की धुनों पर नाच रहे थे। इस मौके पर विनय सिंह, सोनू सिंह , सूर्यवीर सिंह , पंकज सिंह, सैलेंद्र सिंह , अनुज वर्मा , सुनील दुबे, रविप्रताप सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। दरियाबाद कस्बा स्थित कालिका भावन से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा शीतला माता मंदिर से नगर भ्रमण के बाद दशहरा बाग स्थित शिव मंदिर होकर फूलमती माता मंदिर पर कलश यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान लल्लन दुबे, पंकज बाजपेई संदीप अग्रवाल , प्रदीप सिंह, अभय शुक्ला, बाबा अनुज सहित भारी संख्या में महिलाएं बच्चो सहित दूर दराज से आए श्रद्धालु शामिल रहे ।

मात्र खानापूर्ति में निपटा विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम

द अचीवर टाइम्स। कुन्दन सिंह

हसनगंज उन्नाव। सरकार द्वारा चलाया जा रहा विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम मात्र खाना पूर्ति बनकर रह गया है। शनिवार को नगर पंचायत मोहान में अधिशासी अधिकारी द्वारा अपना जन्मदिन मनाने के चक्कर मे बिना मोदी की गारंटी वाली वैन के आये ही कार्यक्रम को समाप्त कर दिया गया था। जिसका भाजपाइयों ने विरोध भी किया था। अगले दिन रविवार को नगर पंचायत न्योतनी में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया पर वहाँ भी मात्र खाना पूर्ति ही कि जाती दिखाई दी जहाँ पंद्रह से बीस इंस्टाल लगाकर लोगो की समस्याओं का निस्तारण किया जाना था वहां मात्र पांच से सात इंस्टाल लगाकर रस्म अदायगी कर दी गई और निस्तारण भी मात्र गिने चुने लोगो के कार्यो के ही किये गए जबकि सरकार इस कार्यक्रम के द्वारा जरूरत मंदो के घर तक पहुचने का दावा करती है पर धरातल पर सरकार के इस कार्यक्रम को मात्र रस्म अदायगी बना कर रख दिया गया है। बिजली विभाग से संबंधित समस्या को लेकर कई लोग विभाग की टेबल ढूंढते रहे पर उनकी समस्या का समाधान कैसे होता जब विभाग की टेबल ही कही नही लगी थी,आय ,जाति प्रमाण,जल कर,ग्रह कर सहित कई विभागों की समस्याओं के निस्तारण के लिए नगरवासी स्टाल खोजते रहे। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राकेश साहू ने बताया कम से कम पंद्रह से बीस विभागों के टेबल लगाकर जरूरत मंदो के कार्य किये जाने चाहिए पर जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे मात्र फॉर्मेलिटी बना कर रख दिया है और जल्दबाजी में कार्यक्रम निपटाए जा रहे है। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश कनौजिया, अधिशासी अधिकारी संतोष कुमार चौधरी,नगर के सभी सभासद व भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश साहू मौजूद रहे।

अयोध्या धाम में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा आयोजन पर बाबा बलखंडेश्वर धाम परियर में मनाई जाएगी दीपावली

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। अयोध्या धाम में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के चलते बाबा बलखंडेश्वर धाम परियर में आज सुबह 8 बजे से पूजा अर्चना के साथ श्रीराम जय राम जय जय राम विजय महामंत्र का 108 बार सामूहिक जप व सुंदर काण्ड के साथ भक्ति मय आयोजनों की शुरुआत की जायेगी।यह आयोजन 10 बजे तक चलेगा।11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अयोध्या धाम में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम एल ई डी द्वारा दिखाया जाएगा।1 बजे से शाम 4 बजे तक राम दरबार की शोभायात्रा परियर गांव में डी जे, डोल आदि के साथ बाबा बलखंडेश्वर धाम से प्रारंभ होगी जो कॉलेज रोड होते हुए शिवमंगल सैनी व हरिश्चंद के दरवाजे होते हुए गयारी अवस्थी ,मालिक अवस्थी ,डाक्टर नंद किशोर पाल,एडवोकेट बंशी पाल ,तुलसी निषाद,रमई निषाद के दरवाजे होते हुए सड़क से बाबा बलखंडेश्वर धाम के निर्माणाधीन गेट से होते हुए गोडियाना मोहल्ले से जानकी कुण्ड आश्रम में समाप्त होगी वही पर सभी भंडारे का प्रसाद ग्रहण करेंगे व प्रसाद वितरण में सहयोग करेंगे।5 बजे शाम से 8 बजे तक बलखंडेश्वर धाम में स्थित सभी मंदिरों में 11 हजार दीप जलाकर दीपावली मनाई जाएगी।रात में 8 बजे से सुप्रसिद्ध जागरण पार्टी द्वारा भगवान की सुंदर झांकी प्रस्तुत कर भक्ति गीतों की पूरी रात धूम रहेगी।

जिला बदल आरोपी को न्यायालय ने भेजा

❖ पुलिस थाना कैमोर द्वारा जिला दंडाधिकारी कटनी के जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर किया न्यायालय में पेश

द अचीवर टाइम्स। पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश कटनी। अभिजीत कुमार रंजन पुलिस अधीक्षक कटनी के निर्देशन व मनोज केडिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एवं के.पी. सिंह अनुविभागीय अधिकारी वि.गढ़ के मार्गदर्शन में थाना कैमोर पुलिस द्वारा पनिहाई बस स्टैंड के पास मुखबिर की सूचना पर जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 188 ताहि के तहत कार्यवाही की गई है। **कार्यवाही का विवरण** – दिनांक 20/01/2024 को मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कैमोर पुलिस द्वारा जिला दंडाधिकारी महोदय कटनी के जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर थाना कैमोर क्षेत्र मैं घूम रहे आरोपी अमर सिसोदिया पिता कैलाश सिसोदिया उम्र 27 साल नि खलवारा बाजार थाना कैमोर को धारा 188 ताहि के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय वि.गढ़ के समक्ष पेश किया गया न्यायालय द्वारा आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया । उक्त कार्यवाही में स उ नि अखिलेश मिश्रा, प्र आर 425 रमेश सिंह, प्र आर 206 चंद्रभान विश्वकर्मा, आर 739 विनोद, आर 508 विक्रम सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर डीएम व एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

द अचीवर टाइम्स। शशांक बाजपेई

बाराबंकी। अयोध्या में होने वाली भव्य प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बाराबंकी पुलिस चौराह पर मुस्तैद दिखी। वहीं दूसरी और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार झा वह एसपी दिनेश सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और भारी वाहनों को प्रवेश करने से रोकने के निर्देश दिए तथा जिन गाड़ियों में पास लगा होगा वही गाड़ियां जा पाएंगे बाकी गाड़ियां डायवर्टेड रूट होते हुए जाएंगे। जगह-जगह वाहनों की चेकिंग की जा रही है। लखनऊ-बाराबंकी सीमा पर स्थित विभिन्न थानों के स्थानों जैसे-चौपुला चौराहा, सफदरगंज चौराहा व अहमदपुर टोल प्लाजा आदि ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सतर्क दृष्टि रखने हेतु निर्देशित किया गया और साथ ही जनपद अयोध्या के निवासी आकस्मिक वाहन तथा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मलित होने वाले पासधारक महानुभावों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के वाहनों को निर्धारित रूट डायवर्जन किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। बाराबंकी पुलिस द्वारा लगातार बैरिकेटिंग कर संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है एवं स्थापित रुट डायवर्जन हेतु बैरियरों पर पुलिस बल द्वारा लगातार कड़ी निगरानी की जा रही है तथा सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

दीपों से झिलमिलाएंगे घर-मंदिर व घाट

बाराबंकी। अयोध्या में राम विराजमान होंगे और यहां घर, मंदिर व घाट दीपों से जगमगाएंगे। देवालय फूलों से महकेंगे। मंदिरों में सजावट के साथ सुंदरकांड का पाठ व भजन होंगे। जगह-जगह एलईडी स्क्रीन लगाकर अयोध्या से सजीव प्रसारण का प्रबंध किया गया है। शहर स्थित श्रीरामलीला दशहरा मंदिर से रथयात्रा निकाली जाएगी जो घंटाघर, धनोखर होते पंचमदास कुटी पहुंचेगी। धनोखर चौराहे पर महाआरती होगी और फूलों की होली खेली जाएगी। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश गुप्ता बप्पी ने बताया कि धनोखर से घंटाघर के बीच आतिशबाजी होगी। सतोखर तालाब स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम होगा। मत्थेश्वर महादेव मंदिर, कैलाश आश्रम, नागेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी मंदिरों में भजन-कीर्तन होंगे। रामसनेहीघाट क्षेत्र, रामनगर, फतेहपुर व रामनगर के मंदिरों में पाठ के समापन पर पूजा-अर्चना व भंडारा होगा।

ढ़ाई घण्टे बंद रही रेलवे क्रासिंग, जाम में फंसे रहे राहगीर

द अचीवर टाइम्स। शशांक बाजपेई

बाराबंकी। प्रदेश की राजधानी से सटे शहर को बंकी नगर सहित सैकड़ों गांवों को ओवरब्रिज से जोड़ने की परियोजना साढ़े तीन वर्ष से अधर में है। लोगों के पत्राचार के बाद रेल मंत्रालय ने तो हां कहा कह दिया, लेकिन सेतु निगम से रोड़ा बना है। ऐसे में बंकी क्रसिंग पर ओवर ब्रिज व अंडर पास ब्रिज बनने की सहमति आज तक नहीं बन सकी है। जबकि प्रतिदिन एक लाख के करीब लोगों का आवागमन इस क्रसिंग से होता है। लोग घंटों रेलवे क्रसिंग घंटों मार्ग जाम होने के चलते सबसे अधिक स्कूल के बच्चों को होती है। सुबह कई बच्चों को कालेज व स्कूल सहित कोचिंग भी पहुंचना होता है। लेकिन क्रसिंग बंद होने के बावजूद फिर लोग जान जोखिम में डालकर क्रसिंग पार करते हैं और रोजाना लोग घंटो जाम से जूझते हैं। वही शनिवार को बंकी रेलवे क्रसिंग करीब दो घंटे बंद रही जिसमे एम्बुलेंस भी फसी रही ये एक बार नही कई बार होता है की इस जाम मे एम्बुलेंस फसी होने के कारण मरीजो की हालत ज्यादा बिगड़ जाती हैं यहां पर ओवर ब्रिज या अंडर पास ब्रिज बनने के लिए पिछले कई वर्षो से लोग पत्राचार रेलवे मंत्रालय से कर रहे हैं। यहां के निवासी कैप्टन विजय श्रीवास्तव का कहना है कि बंकी रेलवे क्रसिंग पर ओवरब्रिज बनना अति आवश्यक है। इसके लिए हम लोग रेलमंत्रालय से लेकर सेतु निगम व अन्य ओवरब्रिज निर्माण से संबंधित अधिकारियों से लगातार पत्राचार कर रहे है। यहां के नागरिकों के पत्राचार के बाद मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ ने पत्र जारी कर कहा था कि राज्य सरकार के हिस्से में आने वाला खर्च व स्वीकार करे। तथा ओवरब्रिज निर्माण के दौरान जिला मजिस्ट्रेट की ओर से सड़क बंद करने का प्रमाणपत्र दे तो पुनः रेलवे का इंजीनियरायी विभाग सर्वे करेगा। लेकिन यह सब महज पत्राचार तक ही सीमित रह गया। डीएम ने भी लिखा था पत्र बंकी रेलवे क्रसिंग पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए पूर्व में डीएम अखिलेश तिवारी ने आर्मी को पत्र लिखा था।

मेहमानों की थाली में होगी श्रीअन्न की खीर और खिचड़ी

बाराबंकी। प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या जाने वाले मेहमानों के लिए जिले के होटलों का मेन्यू भी कुछ अलग है।यहां पर मेहमानों को अवधी भोजन परोसने की व्यवस्था की गई है। मक्के की रोटी, सरसों का साग और श्रीअन्न से तैयार खीर और खिचड़ी थाली में सजाई जाएगी। लखनऊ से लेकर अयोध्या की सीमा तक करीब दो दर्जन ऐसे होटल और रेस्टोरेंट चयनित किए गए हैं पर जहां पर मेहमान कुछ समय रुक कर भोजन और नाश्ता भी करते हैं। इसके लिए दो होटलों को मेहमानों के लिए आरक्षित किया गया है। यहां पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी पूर्व खिलाड़ी व पदमश्री से नवाजे गए व नामचीन हस्तियां रुक सकती हैं और अगले दिन यहीं से अयोध्या जाएंगे। यहां पर मेहमानों के लिए मक्के की रोटी, सरसों के साग की व्यवस्था की गई है। मेहमानों की मांग के अनुसार भी भोजन उपलब्ध कराने के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले दूधिया रोशनी में चमचमा रहा कोटवाधाम मंदिर

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। भगवान श्री राम के अयोध्या मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने से पहले सभी मंदिरों में अनुष्ठान और सजावट दीपोत्सव मनाने को कहा गया था। जिसके बाद सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र में पड़ने वाले स्वामी जगजीवन दास के मंदिर में अनुष्ठान शुरू हो गया है। और शनिवार देर शाम यहाँ पर रामचरित मानस का पाठ शुरू कर दिया गया। वही मंदिर के गुमद को रंग बिरंगी झालरों से सजा दिया गया।जिसकी छठा अनोखी दिखाई दे रही है। पूरे प्रांगण में उत्सव का माहौल तैयार हो चुका है। सोमवार को यहाँ पर सुंदरकांड पाठ के साथ किया जाएगा। वही शाम को अभरण सरोवर से मंदिर तक दीपोत्सव भी होगा। इस कार्यक्रम की अगुवाई महंत निलेन्द्र बख्श दास शेषनारायण तिवारी, दुर्गेश सिंह लल्लन पांडेय सन्दीप यादव दिग्विजय सिंह यादव,सहित मंदिर के सभी अनुयायी मिल कर सहयोग करेंगे।

लवकुश की जन्मस्थली जानकीकुंड को जाने वाले मार्ग है जर्जर, भरा रहता नालियों का गंदा पानी

खनन व ओवरलोड वाहनों से सड़के हो रही बर्बाद

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला विराजमान होने वाले हैं ऐसे में पूरा देश राम मय है। यही नहीं प्रभु राम का उन्नाव से भी विशेष लगाव है सीता माता ने अपने पुत्रों लव और कुश को यही उन्नाव के जानकी कुंड में ही जन्म दिया था और यही लव कुश ने अपने शिक्षा और दीक्षा ग्रहण की थी इसके बाद राम और लव कुश का आमना सामना भी इसी उन्नाव की भूमि पर ही हुआ था। उन्नाव से जनकीकुंड परियर जाने वाले करीब 18 किलोमीटर के इस मार्ग का चौड़ीकरण 2018 में हुआ था। लेकिन इसके एक वर्ष पूर्व आबादी क्षेत्र सरोसी, करोवन और रघुनाथखेड़ा में सदर विधायक द्वारा सीसी मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था लेकिन इसमें नाली निर्माण नही। जल निकासी की उचित व्यवस्था न हो पाने के कारण यह सीसी सड़क कुछ ही वर्षो में जर्जर होने लगा था। जब सड़क निर्माण के 6 वर्ष बीत चुके है लोक निर्माण विभाग की तरफ से 2 किलोमीटर सी सी मार्ग पर मरम्मती करण करवाया गया है। नाली निर्माण न होने की वजह स्थित अभी जस की तस बनी हुई है। सड़क फिर से टूटने लगी है लेकिन विभाग ने छुटपुट मरम्मत करके पल्ला झाड़ लिया है।

ओवरलोड वाहन और माटी से भरे डंपर निकाल रहे सड़क की जान

इस मार्ग से दिन रात मिट्टी से भरे वाहन फर्राटा भरते हैं। माटी आसपास के भट्ठों पर सप्लाई की जाती है। यही नहीं इंट्री माफिया ने एआरटीओ से बचने के लिए आजकल यही रास्ता अपनाया हुआ है, जिसकी वजह से 40 टन की कम क्षमता वाले इस मार्ग पर 70 से 80 टन वजनी वाहन गुजर रहे हैं जो सड़क का जान निकलने के लिए काफी हैं। लेकिन इस ओर ना तो एआरटीओ प्रवर्तन ध्यान दे रहा है और ना ही खनन विभाग।

सदर विधायक ने विभाग को विशेष मरम्मत करने के लिए लिखा पत्र

अक्टूबर 2023 में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने अधिशाषी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर सड़क से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा था कि उनके विधानसभा क्षेत्र में बनी यह सड़क काफी जर्जर हो चुकी है इस मार्ग में परियर घाट में बालू एवं मिट्टी का खनन सरकारी पट्टा कई वर्षो से चल रहा है जिसकी वजह से मार्ग पर हैवी ओवरलोडेड वाहन का अत्यधिक आवागमन रहता है। इसके अलावा मार्ग के आबादी भागों में समुचित जल निकासी की व्यवस्था न होने से जल भराव की स्थिति बनी रहती है । इसके कारण मार्ग आबादी भाग में अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग के आबादी भाग करोवन मोड रघुनाथ खेड़ा करोवन सरोसी सिकंदरपुर में मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। अतः मार्ग के आबादी भाग में विशेष मरमती करण करके सीसी रोड एवं नाली का निर्माण का प्रस्ताव शासन में भेजने का कष्ट करें।

अयोध्या राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा होने वाले कार्यक्रम को लेकर बजरंग दल के युवाओं ने निकाली बाईक रैली शोभायात्रा

❖ हिन्दुओं को बाईक रैली के माध्यम से जगाने का किया प्रयास।

द अचीवर टाइम्स – संवाददाता

लखनऊ। कोतवाली पारा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सदरौना से बजरंग दल के युवाओं ने मेरे राम आएंगे तो अंगना सजाएंगे कार्यक्रम को लेकर भगवा ध्वज व पूजति अक्षत का किया वितरण लाल सिंह ने बताया कि 22 जनवरी को तीर्थ नगरी अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम मन्दिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर देश का जन-जन व बच्चा-बच्चा उत्साहित हैं और रामोत्सव की तैयारी के साथ पूरे देश को राम मय बनाने में लगे हैं। कहा हम लोगों का भी प्रयास है हर घर ध्वज हर घर दिवाली हो नगरों एवं गांवों के प्रत्येक मन्दिरो के साथ-साथ मार्गों को भी सजाया जाए। हमारा लखनऊ भी राम नगरी अयोध्या जैसा ही श्रृंज्ञार हो।शुशील रावत, जीतेन्द्र नाथ सहित सैकड़ों युवाओं ने बैण्ड बाजे के साथ भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर सदरौना मे स्थित संकट मोचन बाला जी मंदिर से क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों से बाईक रैली व पैदल चलकर हिन्दू धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए जोरदार नारेबाजी करते हुए रामलाल हम आएंगे मन्दिर वहीं बनायेंगे । जय श्रीराम जय श्रीराम के नारे लगाते हुए। निकाली भव्य श्रीराम शोभायात्रा। जिसमें लाल सिंह ,शुशील रावत, जीतेन्द्र नाथ सहित धर्मेन्द्र पा जी , मोहित पासी, छोटू , आशू राजपूत, शनि राजपूत, सागर महाकाल, यूनुश, आशीष राजपूत, सूरज पासी, मनीष पासी, दुर्गेश पासी, राज राजपूत, राजा शर्मा, अन्य बजरंग दल के युवा साथी रहे मौजूद।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के शाहाबाद आगमन पर राममय हुआ पुरा नगर

कलश यात्रा

पिपलेश्वर महादेव व शनिधाम की प्राण प्रतिष्ठा के लिये निकली भव्य कलश यात्रा में पहुंची राज्यमंत्री

संवाददाता

शाहाबाद,हरदोई। ब्लॉक परिसर में नवनिर्मित पिपलेश्वर महादेव मंदिर एवं शनि धाम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शनिवार को विधिवत पूजन के शुरू हो गया। पिपलेश्वर धाम से निकली कलश यात्रा में ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र और बीडीओ मनवीर सिंह सहित ब्लाक कर्मियों के अलावा बड़ी संख्या में महिलायें जल लेने के लिये परियल घाट पहुंची और वहां से जल लाकर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। 3 दिन तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान के बाद पिपलेश्वर धाम में 22 जनवरी सोमवार को उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी द्वारा शिव पार्वती परिवार राम दरबार एवं न्याय के देवता शनिदेव महाराज की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उक्त जानकारी देते हुये बीडीओ मनवीर सिंह ने बताया कि पिपलेश्वर धाम में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एतिहासिक व यादगार बनाने के लिए कई विद्वान ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र और बीडीओ मनवीर सिंह सहित उनकी पूरी टीम जीजान से जुटी हुई है। गौरतलब हो कि शनिवार से सोमवार तक 3 दिन तक यहां पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किये जायेंगे। कलश यात्रा में ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र,बीडीओ मनबीर सिंह एडीओ पंचायत जितेंद्र सिंह तोमर सपरिवार शामिल हुये।कलश यात्रा में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भागी दारी निभाई।ब्लॉक परिसर में पिपलेश्वर महादेव और शनिधाम मन्दिर का निर्माण कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है। यहां भगवान पार्वती शिव व गणेश जी व रामदरबार और शनिदेव महाराज जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई जायेगी। पिपलेश्वर धाम में सुबह 9 बजे से कलश यात्रा व हवन पूजन,21 जनवरी सुबह 9 बजे हवन पूजन,22 जनवरी सुबह 9 बजे शिव बारात व शोभा यात्रा निकाली जायेगी। 22 जनवरी को सुबह 11 बजे प्राण प्रतिष्ठा एवं मूर्ति स्थापना के बाद भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

1- शाहाबाद पहुंचकर कलश यात्रा में शामिल हुई उच्चशिक्षा राज्यमंत्री

शाहाबाद। ब्लॉक परिसर में नवनिर्मित भव्य मंदिर के विधिवत पूजन-पाठ के बाद निकाली गई कलश यात्रा में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी शामिल हुई। राज्यमंत्री के कलश यात्रा में शामिल होते ही पुरा ब्लॉक राममय हो गया। राज्यमंत्री ने पिपरिया घाट से आए जल से ब्लॉक में स्थापित होने बाली मूर्तियों पर ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, बीडीओ मनवीर सिंह,पिंटू पाण्डेय, लालाराम राजपूत के साथ जलाभिषेक किया।

2- टेडेश्वर नाथ मंदिर और काली मंदिर में राज्यमंत्री ने किया पूजा-पाठ

शाहाबाद। ब्लॉक में मूर्तियों पर जलाभिषेक के बाद उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने नर्मदा तीर्थ स्थल जाकर टेड़ेश्वर नाथ मंदिर और काली मंदिर में बिधि विधान के साथ पूजा-पाठ किया। इसके बाद नर्मदा तीर्थस्थल पर दीप जलाकर दीपोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्रेतायुग में 14 बर्ष बाद जब भगवान राम पधारे थे तो अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर अयोध्या नगरी को जगमग कर दिया था, एक बार फिर 500 बर्षों बाद 22 जनबरी को अयोध्या में राम फिर से पधार रहे हैं,इस अवसर पर पुरा देश राममय नजर आ रहा है। हर जगह लोग पूजा पाठ, भजन कीर्तन, साफ सफाई, दीप जलाकर राम का स्वागत कर रहे हैं,देश की जनता आने बाली 22 तारीख को अयोध्या ही नही पुरे देश में दीप जलाकर राममय होने जा रही है।

3- काली मंदिर पर राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने साधु-संतों बाँटे कंबल

शाहाबाद। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में काली मंदिर में साधु-संतों द्वारा भजन कीर्तन कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने पहुंचकर ठण्ड से बचने के लिए दर्जनों संतों को कंबल बाँटे और भजनों को सुना। राज्यमंत्री के हांथों कंबल पाकर साधु-संतों में चेहरे खिल उठे। उन्होंने राज्यमंत्री रजनी तिवारी को हमेशा विजय का आशीर्वाद दिया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, रंजीत सिंह, शरद सिंह, सुमित सिंह,अंकित गुप्ता, अनिल पाण्डेय पिंटू, सुभाष रस्तोगी, लालाराम राजपूत सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नज़र

मेडिकल कालेज मे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

आगरा। मृत्यु के कारणों का चिकित्सकीय प्रमाणन एमसीसीडी के प्रभावी क्रियान्वयन को भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने जनगणना कार्य निदेशालय ऐब प्रदेश के मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु)/महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, के द्वारा सरोजनी नायडू मेडीकल कॉलेज पर एक विस्तृत ट्रेनिंग दो दिवसीय आयोजित किया गया प्रशिक्षण में आगरा व आस पास जिले के डॉक्टरों ने प्रतिभाग किया गया। एस. एन. मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. प्रशान्त गुप्ता ने कहा कि ट्रेनिंग से संस्थान के डाक्टर एवं विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा और आगे प्रशिक्षित डाक्टरों द्वारा राज्य के अन्य जनपदों के डाक्टरों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा की मृत्यु का सही कारण पता होने पर चिकित्सा क्षेत्र में सही योजनाएं बनाई जा सकती हैं। डॉ अंशुल पारीक , नोडल अधिकारी (जन्म-मृत्यु), ने बताया गया कि यह प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य है जो प्रशिक्षण रहा जिसमे एक साथ वडी संख्या मे डाक्टरों को एमसीसीडी का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण से राज्य में मृत्यु पंजीकरण में मृत्यु के कारणों के चिकित्सकीय प्रमाणीकरण में आ रही गिरावट में सुधार होगा। जिससे राज्य व केन्द्र को किन बीमारियों से किन क्षेत्रों में अधिक मृत्यु हो रहे है, इसकी जानकारी हासिल किया जा सकेगा। राज्य व केन्द्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से क्षेत्रों में फैलने वाली बीमारियों से निजात दिलाने को कार्ययोजना आसानी से बना सकेंगे। प्रशिक्षण टाटा मेमोरियल सेन्टर व जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तरप्रदेश के सहयोग से एमसीसीडी मास्टर ट्रेनर के रूप में डा0 निशान्त कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, प्रवेटिव वन्सलॉजी , हबच ×,आर सी मुजफ्फरपुर, टाटा मेमोरियल सेन्टर व डॉ शरवरी महापंकर , टाटा मेमोरियल सेन्टर, मुम्बई द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में मेडिकल कॉलेज के उप प्रधानाचार्य डॉ टी. पी. सिंह, डा0 अंशुल पारीक, नोडल अधिकारी (जन्म- मृत्यु), जनपद आगरा, डा0 बृजेश चाहर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एस.एन मेडीकल कॉलेज, आगरा, डा0 गौरव पाण्डेय, सहायक निदेशक व दिव्या जैन, उप निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तरप्रदेश, श्री राजेन्द्र सिंह, अपर शोध अधिकारी (जन्म-मृत्यु), कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी , डॉ अखिल प्रताप सिंह , डॉक्टर सलोनी सिंह, डॉ सुरेंद्र पाठक ,डॉ आराधना सिंह, डॉ प्रीति भारद्वाज आदि

लखनऊ
साउथ सुपरस्टार रजनीकांत पहुंचे लखनऊ एयरपोर्ट
प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे साउथ सुपरस्टार
लखनऊ से अयोध्या जाएंगे सुपरस्टार रजनीकांत

लखनऊ
अभिनेत्री शेफाली शाह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचीं
राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में होंगी शामिल
सड़क मार्ग से अयोध्या के लिए होंगी रवाना

लखनऊ
अमौसी एयरपोर्ट पर की गई वयवस्थाओ का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार पहुंचे एयरपोर्ट निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवम राजस्व, उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर व अन्य अधिकारी रहे उपस्थित

भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में प्राचीन मुरलीधर मंदिर प्रांगण में सफाई अभियान

संवाददाता

रामपुर मथुरा सीतापुर। अयोध्या भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में प्राचीन मुरलीधर मंदिर प्रांगण में सफाई अभियान चलाया गया। समूचे देश में मंदिरों को सजाया संवारा जा रहा है, इसी क्रम में श्री छोटेलाल बालिका इंटर कॉलेज के प्रबंधक व शिक्षकों द्वारा कस्बे के मुरलीधर मंदिर प्रांगण में पहले प्रसाद चढ़ाया फिर बारी -बारी सभी लोगों ने झाड़ू लगाकर मंदिर की साफ सफाई में अपना अपना योगदान दिया, इस सफाई अभियान में लोगों के द्वारा श्री राम के भजन भी गाए गए इस अवसर पर हो रहा है जगदंबा प्रसाद तिवारी, जगदंबा पान्डेय , शीतला प्रसाद शुक्ल, केशव अवस्थी, अभिनय मिश्रा, शिवेंद्र शर्मा, कौशल कुमार यादव, सहित अन्य तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे।झ

रमंते इति रामः पर काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

भगवान राम जन-जन के आस्था के केन्द्र - डा लवकुश मिश्रा

संवाददता

आगरा। डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद प्रकोष्ठ द्वारा संस्कृति भवन में एक काव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर के जाने-माने कवि डॉ राजेंद्र मिलन ने की ।मुख्य अतीथि के रूप में बोलते हुए डॉ राज बहादुर सिंह %राज% ने भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राम हमारी अस्मिता के प्रतीक हैं। हम सौभाग्यशाली है कि राम मंदिर आज हमारे सामने बन रहा है और हम सब उसके साक्षी हैं। ऐसा अवसर हमारे पूर्वजों को नहीं मिल पाया था। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर युवराज सिंह ने भगवान राम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि %तुम्हारे राम नाम की देखो महिमा अपरंपार। सृष्टि के आधार हो तुम तुम प्राणों का संसार%।। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवित्री डॉक्टर शशी गुप्ता ने अपना काव्य पाठ करते हुए कहा कि ÷राम रमैया गाए जा, जीवन पार लगाए जा। राम ही तन में ,राम ही मन में ,राम नाम धुन गए जा।।इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र प्रकोष्ठ के डीन प्रोफेसर लवकुश मिश्रा ने राम को सारे विश्व से जोड़ते हुए कहा कि राम ही ब्रह्म है।और जन-जन की आस्था के केंद्र हैं ।भारत देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी आज पूरा वातावरण राम में है ।हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि हम सभी सनातनी है और अपने जीवन काल में भगवान राम का 500 वर्षों बाद मंदिर बनते हुए देख रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर राजेंद्र मिलन ने अपना काव्य पाठ करते हुए कहा %वाल्मीकि कृष्ण ने सबसे पहले रची थी राम कहानी, रामचरितमानस रच तुलसी की अमर हो गई वाणी। डॉ केशव शर्मा ने अपना काव्य पाठ करते हुए कहा %सब ने मिलकर घर द्वार सजाये, तोरण द्वार बनाए ।त्रेता जैसी सजी अयोध्या आज राम घर आए ।% वरिष्ठ साहित्यकार डॉ राघवेंद्र शर्मा ने अपना काव्य पाठ करते हुए कहा %जब-जब जग में पाप बढ़ेंगे तब तक अवतारेंगे राम ।कोई रावण नहीं बचेगा ढूंढ ढूंढ मारेंगे राम ।% डॉक्टर ज्योत्स्ना शर्मा ने कहा राम से बड़ा राम का नाम ।राम नाम लेने से बनते सारे बिगड़े काम।।

इस अवसर पर नगर के कवि कवित्रियों में श्वेता सागर ,नीलम रानी गुप्ता, डॉक्टर चेतना,सुधा वर्मा, पद्मावती %पदम%, राजेश्वरी %राज% एवं इंदल सिंह %इंदु% ने काव्य पाठ किया ।कार्यक्रम का संचालन कन्हैया मानिक लाल मुंशी संस्थान में हिंदी के प्राध्यापक डॉ केशव शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय मे हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ युवराज सिंह ने किया । इस अवसर पर डॉक्टर शार्दुल मिश्रा , डा0दीपक कुलश्रेष्ठ, अमित कुमार साहू, विभावरी माथुर,कुलदीप यादव ,धनेश कुमार द्विवेदी, वकील, एलविना आदि उपस्थित रहे।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर गजब का उत्साह, भगवामय हुआ मां बाराही देवी मंदिर

चहुंओर लग रहे जय श्रीराम के नारे

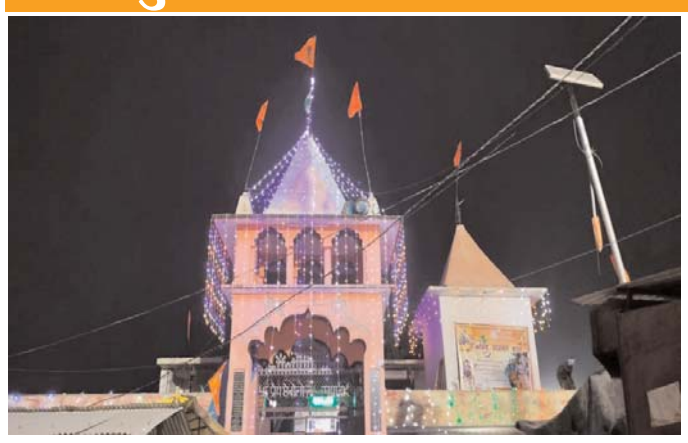

निर्मल सैनी द अचीवर टाइम्स

लखनऊ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव के रंग हर ओर छाने लगे हैं। अटेर गांव स्थित आस्था का केंद्र मां बाराही देवी मंदिर प्रांगण में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के दिन को उत्सव रूप मनाने के लिए लोग तैयार हैं । आपको बता दें कि मलिहाबाद क्षेत्र के माल ब्लॉक के अंतर्गत अटेर गांव में स्थित प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मां बाराही देवी मंदिर प्रांगण में श्री राम भक्तों में 22 जनवरी को अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जबरदस्त उत्साह है। मंदिर प्रांगण में रविवार को अखंड रामायण पाठ का आरंभ हुआ। पूरा मंदिर प्रांगण भगवा मय है। सड़कों पर जय श्रीराम के नारे लग रहे हैं।

चहुंओर दिख रही खुशी

आखिर वो घड़ी आ ही गई, जब रामलला अपनी अयोध्या में विराजमान होंगे। इसके लिए सम्पूर्ण लखनऊ जनपद में उत्साह और उल्लास का वातावरण है। लखनऊ जनपद पूरी तरह भगवा ध्वजों से पट चुका है, तो घरों और मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा और रोशनी की गई है। इधर, सोमवार की सुबह से ही भगवान श्रीराम की अगवानी की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। धार्मिक के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, तो प्रसादी वितरित कर खुशियां बांटी जाएंगी।

मझगई थाना क्षेत्र के गांव कोठिया के पास बाघ ने एक सांड का किया शिकार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता
लखीमपुर खीरी। जिले के मझगई थाना क्षेत्र के गांव कोठिया में बाघ ने गांव के पास ही गन्ने के खेत में एक छुट्टा सांड पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया है। वही ग्रामीणों में भी दहशत का मौसम माहौल बना हुआ। मझगई रेंज के कोठिया गांव में उत्तर भगवंत नगर गूलर गांव जाने वाले रास्ते के किनारे शानू राठौर का गन्ने का खेत है। सुबह सानू अपने बेटे व अन्य लोगों के साथ गन्ना छीलने गया था। खेत में उसे छुट्टा सांड का शव मिला उसने शोर मचाकर अन्य ग्रामीणों को एकत्र किया और आसपास देखा तो एक बैल का भी दिखाया शव पड़ा था। जिसके बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि बाघ ने दोनों पर हमला किया हो और गन्ने के खेत में खींच ले गया इस बार बारे में रेंजर अंकित सिंह ने भी मौका मुआयना किया। रंजन ने बताया कि गड्ढा खुदवाकर शव दफन कर दिया गया है। लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में कटनी कलेक्टर श्री प्रसाद करेंगे ध्वजारोहण

❖ झिंझरी पुलिस ग्राउंड में होगा मुख्य समारोह का आयोजन।

संवाददाता

मध्य प्रदेश, कटनी। कटनी में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह परंपरागत गरिमा के साथ मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर पुलिस लाइन ग्राउंड झिंझरी में आयोजित होने वाले जिले के मुख्य समारोह के मुख्य*द, अचीवर टाइम्स से पप्पू उपाध्याय* अतिथि कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद होंगे । इस मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री प्रसाद ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद कलेक्टर श्री प्रसाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का वाचन करेंगे। जिले का मुख्य समारोह स्थानीय झिंझरी पुलिस ग्राउंड में सुबह 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति पर आधारित झांकियां निकाली जाएंगी। जिले में गणतंत्र दिवस समारोह के भव्य आयोजन की तैयारियां जारी है। जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाओं में कार्यालय प्रमुख ध्वजारोहण करेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट भवन सहित समस्त शासकीय भवनों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की जायेगी।साथ ही देर शाम भारत पर्व के तहत देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में किसी भी आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीमों ने संभाला मोर्चा

संवाददाता

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर अयोध्या सहित पूरा देश राममय हो चुका है। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह स्थल, अयोध्या में माननीय प्रधानमंत्री जी सहित हजारों की संख्या में अति विशिष्ट अतिथियों, साधु-संतों एवं विभिन्न क्षेत्रों में विशेष स्थान रखने वाले गणमान्य व्यक्तियों का आगमन हो रहा है। ऐसे में किसी भी प्रकार के प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं से निपटने हेतु श्री मनोज कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक 11 वाहिनी एनडीआरफ वाराणसी के नेतृत्व में वारासी एवं एनडीआरएफ क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र लखनऊ तथा गोरखपुर से विशेष रूप से प्रशिक्षित एवं चिन्हित टीमों को तैनात किया गया है। उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि यह हम सभी के लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है की एनडीआरएफ के बचाव कर्मी के रूप में देश स्तर के इतने बृहद रूप के आयोजन के दौरान सेवा करने का मौका मिला है। एनडीआरएफ की तीन टीमों को अयोध्या में तैनात की गई है। जिसमें एक टीम केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर आपदा (सीबीआरएन) के लिए है, वहीं दूसरी टीम कॉलेप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू (सीएसएसआर) से संबंधित आपदाओं से निपटने के लिए सभी प्रकार के अत्यधिक राहत बचाव उपकरणों के साथ तथा हमारी तीसरी टीम को सरयू नदी में विभिन्न घाटों पर रेस्क्यू मोटर बोट, गोताखोर, पैरामेडिक, लाइफ जैकेट इत्यादि के साथ तैनात है। केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल न्यूक्लियर (सीबीआरएन) से संबंधित आपदा से निपटने के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, डीआरडीओ संस्थान के द्वारा विशेष रूप से निर्मित Hazmat वाहन को भी तैनात किया गया है। Hazmat वाहन केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल न्यूक्लियर (सीबीआरएन) के किसी भी प्रकार के हमलों को रोकने में सक्षम है। इसमें लगे अत्यधिक सेंसर सीबीआरएन पदार्थ का दूर से पता लगा सकते हैं, साथ ही वाहन के साथ तैनात रेस्क्यूकर्स किसी भी प्रकार के केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल न्यूक्लियर हमले की साजिश को नाकाम कर सकते हैं। इस वाहन को खतरा भविष्यवाणी सॉफ्टवेयर के साथ तैयार किया गया है ताकि मौसम की सटीक जानकारी भी प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि जरूरत करने पर एनडीआरएफ के अतिरिक्त टीमों को भी वाराणसी, एवं एनडीआरएफ क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र लखनऊ, गोरखपुर से तैनात किया जाएगा। उन्होंने सभी राम भक्तों को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी की जिम्मेवारी हैं कि स्थानीय प्रशासन के द्वारा बताए गए दिशा निर्देशों का पालन करें और इस शुभ अवसर का साक्षी बने।

IAS केके पाठक की राह पर भारत का शिक्षा मंत्रालय?

एजेंसी

पटना/दिल्ली। पांचवीं क्लास के बच्चों और गार्जियन को आईआईटी और मेडिकल में एडमिशन का झांसा अब कोचिंग वाले नहीं दे पाएंगे। वरना, ये चुटकी बजाकर सक्सेस की ठेका ले लेते थे। फिर अपने हिसाब से फी वसूलते थे। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने नोटिस जारी कर कहा कि कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों के नामांकन के लिए माता-पिता को भ्रामक वादे या रैंक या अच्छे अंक की गारंटी नहीं दे सकते। संस्थान 16 वर्ष से कम उम्र के छात्र/छात्राओं का नामांकन नहीं कर सकते। विद्यार्थियों का कोचिंग संस्थान में नामांकन माध्यमिक विद्यालय परीक्षा के बाद ही होना चाहिए। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से जारी नए दिशानिर्देश के मुताबिक कोचिंग संस्थान 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को अपने यहां दाखिल नहीं कर सकेंगे। अच्छे नंबर या रैंक दिलाने की गारंटी जैसे भ्रामक वादे भी नहीं कर सकेंगे। एक झटके में पूरे देश में करोड़ों के कारोबार करने वाले कोचिंग वालों पर %16% वाला हथौड़ा चल गया। जिस पर नकले कसने की कोशिश बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक टुकड़ों-टुकड़ों में कर रहे थे। इसका बिहार कनेक्शन भी बड़ा इंट्रेस्टिंग हैं। ढ्ढस् का बैच भी जुड़ रहा है। जिस दौरान ये नोटिफिकेशन जारी हुआ, उस वक्त केके पाठक छुट्टी पर थे। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि वो दिल्ली गए थे और दिल्ली से ही कोचिंग वाला नोटिस भी जारी हुआ। दरअसल, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में पोस्टेड ढ्ढस् संजय कुमार 1990 बैच के अधिकारी हैं। शिक्षा मंत्रालय में वो स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव हैं। 1 दिसंबर 2022 को उन्होंने स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया था, तब से इस पोस्ट पर हैं। केंद्रीय प्रतिनुयिक्ति पर जाने से पहले संजय कुमार, बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हुआ करते थे, जिस पोस्ट पर फिलहाल केके पाठक तैनात हैं। संजय कुमार की पहचान सुलझे हुए एक काबिल अफसर के तौर पर रही है। बिहार में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक भी 1990 बैच के आईएएस अफसर हैं। संजय कुमार

और केके पाठक दोनों का कैडर बिहार है। केंद्रीय एजुकेशन डिपार्टमेंट में सचिव बनने से पहले संजय कुमार भी बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हुआ करते थे। तब उन्होंने भी कोचिंग वालों पर नकेल कसने की कोशिश की थी, मगर बहुत कामयाबी नहीं मिली। अब भारत सरकार के शिक्षा विभाग के नए नोटिफिकेशन से पूरे देश के कोचिंग वालों पर नकेल कस दिया गया है। बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक स्कूल एजुकेशन को लेकर काफी सख्त रवैया अपनाए हुए हैं। हालांकि, उनके इन प्रयासों से सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों के गार्जियन काफी खुश है। उनको लग रहा है कि अब सरकारी स्कूल में ढंग से पढ़ाई होने लगी है। वरना, पहले ये स्कूल मिड डे मील को लेकर ही अपनी पहचान रखते थे। इसके अलावा जो पढ़ने वाले बच्चे थे, वो कोचिंग संस्थानों को ही सबकुछ मान लेते थे। इसके एवज में मोटी फी भरते थे। स्कूल उनके लिए सिर्फ फॉर्म भरने और एग्जाम देने का जरिया था। केके पाठक ने कोचिंग वालों को हड़काया मगर इस का बहुत असर नहीं दिख रहा था। अब भारत सरकार के आदेश से पूरे देश के कोचिंग वालों पर नकेल जरूर कस जाएगी। 16 जनवरी को जारी नोटिस में कहा गया है कि कोचिंग संस्थान 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को अपने यहां दाखिल नहीं कर सकेंगे और अच्छे नंबर या रैंक दिलाने की गारंटी जैसे भ्रामक वादे भी नहीं कर सकेंगे। कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश एक कानूनी ढांचे की आवश्यकता को पूरा करने और बेतरतीब तरीके से निजी कोचिंग संस्थानों की बढ़ोतरी को रोकने के लिए हैं। मंत्रालय ने ये दिशानिर्देश विद्यार्थियों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों, आग की घटनाओं, कोचिंग संस्थानों में सुविधाओं की कमी के साथ-साथ उनके द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण पद्धतियों के बारे में सरकार को मिली शिकायतों के बाद तैयार किए हैं। दिशानिर्देश में कहा गया कि कोई भी कोचिंग संस्थान स्नातक से कम योग्यता वाले शिक्षकों को नियुक्त नहीं करेगा। कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों के नामांकन के लिए माता-पिता को भ्रामक वादे या रैंक या अच्छे अंक की गारंटी नहीं दे सकते। संस्थान 16 वर्ष से कम उम्र के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। विद्यार्थियों का कोचिंग संस्थान में नामांकन माध्यमिक विद्यालय परीक्षा के बाद ही होना चाहिए। कोचिंग संस्थान कोचिंग की गुणवत्ता या उसमें दी जाने वाली सुविधाओं या ऐसे कोचिंग संस्थान या उनके संस्थान में पढ़े छात्र द्वारा प्राप्त परिणाम के बारे में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी दावे को लेकर कोई भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकते हैं या प्रकाशित नहीं करवा सकते हैं या प्रकाशन में भाग नहीं ले सकते हैं।

एक नज़र

खड़्गे 29 जनवरी को ओडिशा आएंगे

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड

ओड़िशा, भुबनेश्वर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 29 को ओडिशा आयेंगे. कार्यक्रम बूथ कमेटी, ब्लॉक और जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में होगा । खबर है कि कल 1 फरवरी से कांग्रेस की बस यात्रा शुरू होगी । तारा बहिनीपति से बस यात्रा कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी मिली है।बस यात्रा 1 तारीख को भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर से शुरू होगी । सभी कांग्रेस नेताओं को बस में बिठाकर ओडिशा घुमाने का कार्यक्रम है ।

बोइंग सुकन्या प्रोग्राम क्या है? क्या लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी और ब्रछ्वक्को मिलेगा फायदा, समझें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में विमान बनाने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनी बोइंग के परिसर का उद्घाटन किया। बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नॉलजी सेंटर (ब्ढ्ढश्वञ्जष्ट) अमेरिका से बाहर बोइंग का किसी भी देश में अबतक का सबसे बड़ा परिसर है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने बोइंग सुकन्या प्रोग्राम को भी लॉन्च किया। आखिर क्या है ये प्रोग्राम और इससे किस तरह लड़कियों को होगा फायदा, आइए विस्तार से समझते हैं। बोइंग सुकन्या कार्यक्रम का उद्देश्य देश के बढ़ते एविएशन सेक्टर में देशभर से और अधिक लड़कियों की एंट्री में मदद देना है। ये कार्यक्रम पूरे भारत की लड़कियों और महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्ञ्जश्वरू) क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कौशल सीखने और एविशन सेक्टर में नौकरियों के लिए प्रशिक्षण पाने के मौके मुहैया करेगा। इस प्रोग्राम के तहत, लड़कियों के लिए स्ञ्जश्वरू (साइंस, टेक्नॉलजी, इंजीनियरिंग और मैथ) करियर में रुचि जगाने में मदद करने के लिए ये 150 जगहों पर %स्टेम लैब% बनाए जाएंगे। यह कार्यक्रम पायलट बनने के लिए प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के सरकार के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार एयरोस्पेस क्षेत्र में महिलाओं के लिए नए अवसरों का सृजन करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने गर्व के साथ कहा, %चाहे फाइटर पायलट हों या नागरिक उड्डयन, भारत महिला पायलटों की संख्या के मामले में दुनिया में सबसे आगे है।% उन्?होंने बताया कि भारत में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जो वैश्विक औसत से 3 गुना अधिक है। बोइंग सुकन्या कार्यक्रम का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा। इसके अलावा दूर-दराज के इलाकों में रहने वालीं गरीब लड़कियों को पायलट बनने के उनके सपने को साकार करने में मदद करेगा। पीएम ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत पायलट के रूप में करियर बनाने के लिए सरकारी स्कूलों में करियर कोचिंग और विकास संबंधी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। लड़कियों के लिए पायलट का करियर चुनने के लिए मुफीद मौके का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने एविएशन सेक्टर में अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई। उन्होंने कहा कि आज भारत में करीब 150 हवाई अड्डे चालू हैं, जबकि 2014 में इनकी संख्?या लगभग 70 थी। पीएम ने यह भी कहा कि हवाई अड्डों की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने अर्थव्यवस्था के समग्र विकास और रोजगार सृजन के लिए एयर कार्गो क्षमता में बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। अत्याधुनिक ब्ढ्ढश्वञ्जष्ट यानी बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नॉलजी सेंटर अमेरिका के बाहर बोइंग का सबसे बड़ा निवेश है। ये भव्य परिसर 43 एकड़ में फैला हुआ है और इसे बनाने में 1600 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ब्ढ्ढश्वञ्जष्ट के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने सुकन्या लाभार्थियों से भी बातचीत की। दुनिया की दिग्गज विमान कंपनी बोइंग के कैंपस खुलने के साथ ही कर्नाटक एक नए एविएशन हब के तौर पर उभर रहा है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में इसका जिक्र किया। कर्नाटक में पिछले साल एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर मैन्यूफैक्चरिंग फैक्ट्री के उद्घाटन को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बोइंग की यह नई सुविधा कर्नाटक के एक नए एविएशन हब के तौर पर उभरने का स्पष्ट संकेत है। अमेरिका की दिग्गज विमान निर्माता कंपनी बोइंग को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना और महिलाओं को पायलट बनाने में मदद के लिए बोइंग सुकन्या जैसा प्रोग्राम शुरू करना अपने आप में काफी अहम है। इस प्रोग्राम के लॉन्च होने पर बोइंग कंपनी की सीओओ स्टेफ़नी पोप ने पीएम मोदी को शुक्रिया कहा। पीएम मोदी ने बोइंग सुकन्या प्रोग्राम को महिला सशक्तीकरण के लिहाज से महत्वपूर्ण करार दिया। इसके जरिए उन्होंने महिला वोटरों को साधने की कोशिश की। दरअसल, पिछले कई चुनावों से देश की आधी आबादी यानी महिलाएं बीजेपी के लिए नए वोट बैंक के तौर पर उभरी हैं। भाजपा महिलाओं की पसंदीदा पार्टी बनकर उभरी है और इसकी सबसे बड़ी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां और उनकी सरकार की स्कीम हैं। दशकों ले लटके ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को पास कराना हो या तीन तलाक को खत्म करना, बीजेपी इसे महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाया कदम मानती है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के अलावा राज्यों की तमाम बीजेपी सरकारें भी महिलाओं को सीधा फायदा पहुंचाने वाली कई तरह की वेल्फेयर स्कीम चला रही हैं। केंद्र सरकार की बात करें तो उसकी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन अकाउंट, मिशन पोषण, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन, मैटरनिटी लीव को 12 की जगह 26 हफ्ते करना, मातृवंदन योजना के तहत बच्चे के जन्म पर मां को 5000 रुपये जैसी तमाम योजनाएं महिलाओं पर ही केंद्रित हैं। सेना में महिलाओं को परमानेंट कमीशन देने जैसे कदम से केंद्र ने समान अवसर और समानता का अधिकार देने की कोशिश की है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन का लाभ मिला है। जनधन योजना के

हाई रिस्क जोन में जोशीमठ का 35 % हिस्सा

नगरवासियों ने बाहर बसने से किया साफ इनकार

एजेंसी

चमोली। जोशीमठ भू धंसाव को लेकर आपदा सचिव ने जोशीमठ में जन सुनवाई की। आपदा सचिव ने कहा नगर का करीब 35 प्रतिशत क्षेत्र हाईरिस्क जोन में है। भू धंसाव प्रभावित नगर वासियों ने विस्थापन के नाम पर नगर से बाहर बसने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने विकल्प दिया कि स्थानीय लोगों की सेना व सरकारी विभागों के पास जो काश्तकारी भूमि है जिसका उन्हें मुआवजा नहीं मिला उन जगह पर लोगों को बसाया जाए। पिछले साल नगर में हुए भू धसाव प्रभावितों की आपदा सचिव रणजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जन सुनवाई हुई। नगर पालिका सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आपदा प्रभावितों ने स्पष्ट कह दिया कि वह जोशीमठ से अन्यत्र विस्थापित नहीं होंगे। यहां से उनका रोजगार व अन्य संसाधन जुड़े हैं। जनसुनवाई के दौरान बताया गया कि शासन ने गौचर के पास बमोथ गांव में पुनर्वास के लिए 25 हेक्टेयर भूमि को चिह्नित किया है। आपदा सचिव ने कहा कि नगर को तीन जोन में बांटा गया है। जिसमें हाई रिस्क जोन, मीडियम जोन और लो रिस्क जोन शामिल हैं। हाई रिक्स जोन को पहले 17 सेक्टरों में बांटा गया था। हमारी टीम ने तीन दिन सर्वे के बाद इसे 14 सेक्टरों में बांटा है। हाईरिस्क जोन में नगर के प्रमुख स्थान शामिल हैं। सभी प्रभावित परिवारों को विकल्प दिए जाएंगे। भारत सरकार से चर्चा के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोगों की सुविधा के अनुसार विस्थापन की कार्रवाई की जाएगी। लोगों के जो विकल्प आएंगे शासन स्तर पर उसी के अनुसार रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर का 30 से 35 प्रतिशत हिस्सा हाईरिस्क जोन में है। वहीं जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति की ओर से आपदा सचिव को नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी सौंपा गया। आपदा सचिव ने बताया कि जनवरी माह से नगर में सभी तरह के निर्माण कार्य बंद हैं। यदि कोई निर्माण कार्य करता है तो उसे अवैध माना जाएगा और जिला प्रशासन के स्तर से संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

संबलपुर में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पंकज चैधुरी। ऋण वितरण मेला की उद्घाटन किए

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड

ओड़िशा, भुबनेश्वर। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान संबलपुर के दो दिवसीय दौरे पर। ऋण विस्तार मेले में शामिल हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री । केंद्रीय मंत्री ने करीब 71 हजार लोगों को लोन दिया है । केंद्र सरकार द्वारा एमएसएमई, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस कार्यक्रम में सरकारी ऋण के महत्व की सराहना की है । इसके अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीएम मुद्रा, पीएम स्वनिधि, पीएमईजीपी, केसीसी, स्टैंड अप इंडिया, एजुकेशन और होम लोन समेत कई तरह के लोन लोगों को दिए हैं। इससे छोटे व्यवसायों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा । इस कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री ने धनकुड़ा में एनएसडीसी द्वारा आयोजित कौसल उत्सव का भी उद्घाटन किया ।

चारधाम यात्रा से पहले बदरीनाथ में बीकेटीसी बनाएगा अस्थायी ढांचा, बैठक ने इन मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता

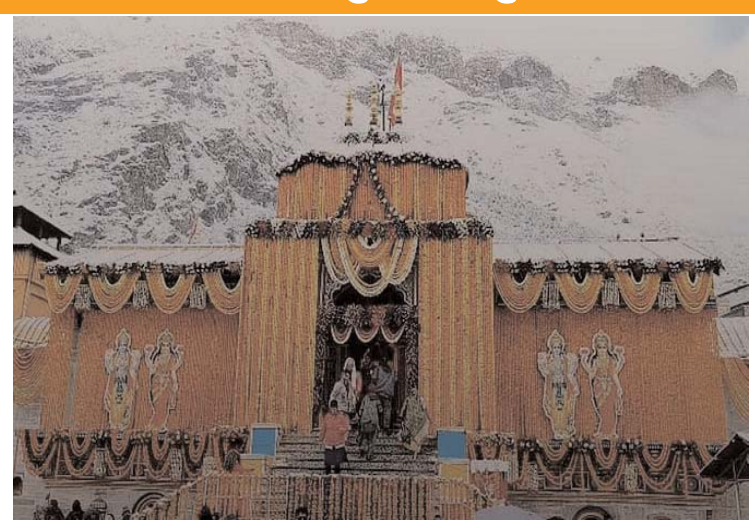

चमोली। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में पहली बैठक हुई। जिसमें बताया गया कि मास्टर प्लान कार्य के चलते पिछले वर्ष मंदिर के समीप गुजराती भवन को गुजराती भवन को ध्वस्त किया गया था। वर्तमान में बीकेटीसी के पास बदरीनाथ धाम में ठिकाना नहीं है। आगामी चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) बदरीनाथ धाम में प्री-फैब्रिकेटेड का अस्थायी ढांचा तैयार करेगा, जिससे यात्रा के दौरान मंदिर में पूजा पाठ की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से किया जा सके। साथ ही दर्शन के लिए आने वाले वीवीआईपी के बैठने के लिए एक रूम बनाया जाएगा। बदरीनाथ धाम के मास्टर प्लान कार्य से पिछले वर्ष मंदिर के समीप गुजराती भवन को गुजराती भवन को ध्वस्त किया गया। इस भवन में बीकेटीसी का कार्यालय, सूचना केंद्र, वीवीआईपी के बैठने के साथ वेदपाठियों को आवास की सुविधा थी। वर्तमान में बीकेटीसी के पास बदरीनाथ धाम में ठिकाना नहीं है। चारधाम यात्रा के दौरान वीवीआईपी अतिथि दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में वीआईपी को बैठाने के लिए बीकेटीसी के पास कोई जगह नहीं है। यात्रा की तैयारियों को लेकर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में हुई पहली बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय का कहना है कि यात्रा से पहले बीकेटीसी अपने स्तर पर प्री-फैब्रिकेटेड ढांचा तैयार करेगा, जिसमें फोटो गैलरी, कार्यालय, वीआईपी के लिए रूम की व्यवस्था होगी।

गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा प्रतिभागियों का चयन

संवाददाता

आगरा। उप कृषि निदेशक, पुरूषोत्तम कुमार मिश्रा ने जनपद के समस्त कृषकों को अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पी0एम0 कुसुम) योजनान्तर्गत स्थापित किये जा रहे है सोलर पम्पों के अनुरक्षण एवं मरम्मत हेतु कुशल एवं दक्ष मैकेनिकों का प्रशिक्षण राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान रहमानखेडा, लखनऊ के द्वारा प्रस्तावित है, इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को सोलर मोड्यूल, सरफेस पम्प, सबमर्सिबल सोलर पम्प (ए0सी0/डी0सी0) के व्यवहारिक संचालन का प्रशिक्षण देकर तकनीकी दक्षता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करते हुये प्रति तहसील न्यूनतम एक कुशल एवं दक्ष सोलर मैकेनिक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रशिक्षण 40 कार्य दिवसों का होगा तथा प्रशिक्षण अवधि में निशुल्क रहने एवं खाने की व्यवस्था संस्थान द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। प्रशिक्षण उपरान्त सफल प्रतिभागियों को निशुल्कः टूल किट प्रदान की जायेगी। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि प्रशिक्षण के प्रतिभागियों की शैक्षिक योग्यता यथा- इलेक्ट्रीशीयन /इलैक्ट्रोनिक/ फिटर ट्रेड मैन दो वर्षीय आई0टी0आई0 अथवा इन्जीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा, प्रशिक्षणार्थियों की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के मध्य हो। उन्होंने इच्छुक प्रतिभागियों से आग्रह किया है कि कार्यालय में तीन फोटो, आधार की छायाप्रति, योग्यता प्रमाण पत्र के साथ आवेदन पत्र 30 जनवरी तक कार्यालय-उप कृषि निदेशक, नार्मल स्कूल कम्पाउण्ड, शाहगंज रोड, आगरा में जमा करना सुनिश्चित करें। प्रतिभागियों का चयन जनपद स्तर पर गठित चयन समिति के द्वारा किया जायेगा।

रविवार सुबह होगा श्रीराम राहगीरी आनंदोत्सव का आयोजन, मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे राहगीरी का शुभारंभ

संवाददाता

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार सुबह श्री राम राहगीरी आनन्दोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे और कार्यक्रम के पूर्व गायत्री शक्तिपीठ के सामने द्वार से श्रीराम, जानकी, लक्ष्मण, हनुमान के रथ की आरती कर राहगीरी आनन्दोत्सव का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा आदि के साथ गायत्री शक्तिपीठ से सान्दीपनि आश्रम तक पैदल चलकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर एमपीईबी, पीडब्लयूडी, नगर निगम आदि को व्यवस्थित व्यवस्थाएं करने के आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने गायत्री शक्तिपीठ से महामंगल आश्रम श्रीराम मन्दिर के सामने से निर्मोही अखाड़ा श्री राम जानकी मन्दिर खाकचौक होते हुए सान्दीपनि आश्रम पर समापन श्रीराम राहगीरी आनन्दोत्सव का रहेगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, जिला पंचायत सीईओ मृणाल मीना, नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक, यूडीए सीईओ संदीप सोनी, एडीएम अनुकूल जैन, एसडीएम अर्थ जैन एवं एलएन गर्ग, एएसपी जयन्त सिंह राठौर आदि उपस्थित थे। श्रीराम राहगीरी आनन्दोत्सव में रविवार सुबह राम जनार्दन मन्दिर के पास अदभुत नजारा रहेगा, क्योंकि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। इसलिये पूरे देश के साथ-साथ प्रदेश में और उज्जैन जिले में उत्सव का आयोजन रहेगा। प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव उज्जैन में राहगीरी में शामिल होंगे।

स्कूलों में छुट्टी... शराब दुकानें बंद करने के बाद अब छत्तीसगढ़ में इस दिन मांस बिक्री भी बैन

संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 22 जनवरी को मांस की दुकानें नहीं खुलेंगी। ये फैसला सरकार ने लिया है। यही नहीं जानवरों की बलि को लेकर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इससे पहले स्कूल बंद के भी आदेश जारी किए गए थे। इसके साथ ही शराब की दुकानें भी इस दिन बंद रहेंगी। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार ने भी खास तैयारी की है। 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रदेश में बड़ा और अहम आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को पशुवध और मांस बिक्री की दुकानें बंद रखने का आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री ने जन आस्था को देखते हुए यह फैसला लिया है। सीएम साय के निर्देश पर नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही लेटर में यह भी लिखा गया है कि इस आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए।

शराब दुकान भी रहेंगी बंद

22 जनवरी के दिन प्रदेश में शराब दुकानों को भी बंद रखा जाएगा। इस आशय में कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निर्देश जारी कर दिए थे। इसके बाद 22 जनवरी के दिन प्रदेश में शराब की बिक्री पर भी प्रतिबंध रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए, हर जिले में इस आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा है। जिला कार्यालयों, संभागीय एवं राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीमों को आदेश का गंभीरता से पालन करने के लिए आदेश भी जारी हो चुका है।

स्कूलों की भी छुट्टी

छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार ने पहले ही 22 जनवरी के दिन स्कूल और कॉलेज की छुट्टी करने का ऐलान कर दिया। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव को लेटर लिखा था। इसके बाद स्कूल और कॉलेज की छुट्टी करने का फैसला किया गया। स्कूल और कॉलेज की छुट्टी को लेकर शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आदेश भी जारी किया है। अब 22 जनवरी को बच्चों को स्कूल नहीं जाना होगा।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बैन

इसी बीच सीएम विष्णु देव साय ने 22 जनवरी को सूबे में मीट बिक्री पर बैन कर दिया है। इस दिन पशुवध और मांस की बिक्री नहीं होगी। इससे जुड़ी दुकानें बंद रहेगी। मुख्यमंत्री ने जन आस्था को देखते हुए यह फैसला लिया है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है।

अश्विन के पास इंग्लैंड के खिलाफ इतिहास रचने का मौका

कुंबले और चंद्रशेखर को छोड़ सकते हैं पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट मैचों में 800 विकेट लिए हैं। अब तक आठ गेंदबाजों ने टेस्ट में 500 विकेट लिए हैं। अश्विन यह उपलब्धि हासिल करने वाले नौवें गेंदबाज होंगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी को शुरू होगी। पहला टेस्ट हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज में भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के पास इतिहास रचने का मौका होगा। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर इस बार अश्विन की फिरकी का जादू चला तो वह कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

अश्विन अगर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 10 विकेट ले लेते हैं तो उनके टेस्ट में 500 विकेट पूरे हो जाएंगे। वह भारत के लिए टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बनेंगे। उनसे आगे पूर्व कप्तान अनिल कुंबले हैं। उन्होंने 1990 से 2008 तक अपने करियर में कुल 132 टेस्ट खेले थे। इस दौरान उन्होंने 619 विकेट झटके। अब अश्विन के पास उनके क्लब में शामिल होने का मौका है।

टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट मैचों में 800 विकेट लिए हैं। अब तक आठ गेंदबाजों ने टेस्ट में 500 विकेट लिए हैं। अश्विन यह उपलब्धि हासिल करने वाले नौवें गेंदबाज होंगे।

अश्विन के पास इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 100 विकेट पूरे करने का मौका है। उन्होंने 19 टेस्ट में 88 विकेट लिए हैं। भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी भागवत चंद्रशेखर हैं। इस स्पिनर ने इंग्लिश टीम के खिलाफ अपने करियर में 23 मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 95 विकेट झटके थे। उनके बाद दूसरे स्थान पर अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने इंग्लैंड के खिलाफ 19 मैच में 92 विकेट लिए थे। अश्विन अगर पांच विकेट लेते हैं तो कुंबले से आगे निकल जाएंगे। वहीं, आठ विकेट लेने पर चंद्रशेखर को पीछे छोड़ देंगे। वह 12 विकेट लेने पर इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे।

अश्विन ने अब तक अपने करियर में 95 टेस्ट खेले हैं। अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सभी मैच खेलते हैं तो उनके करियर में 100 टेस्ट मैच पूरे हो जाएंगे। भारत के लिए अब तक 13 खिलाड़ियों ने 100 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें सबसे ज्यादा मैच सचिन तेंदुलकर के नाम हैं। उन्होंने 200 टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया है। सचिन के अलावा राहुल द्रविड़ (163), वीवीएस लक्ष्मण (134), अनिल कुंबले (132), कपिल देव (131), सुनील गावस्कर (125), दिलीप वेंगसरकर (116), सौरव गांगुली (113), विराट कोहली (113), इशांत शर्मा (105), हरभजन सिंह (103), चेतेश्वर पुजारा (103) और वीरेंद्र सहवाग (103) ने भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल की है।

पीले पत्थर की इमारतों व ऊँटों की कतारों के लिए विश्व विख्यात है जैसलमेर

जैसलमेर की कला, किला, हवेलियों, संस्कृति और सोने जैसी माटी की बात ही अलग है

राजस्थान का जैसलमेर शहर अपनी पीले पत्थर की इमारतों और रेत के धोरों पर ऊँटों की कतारों के लिए विश्व विख्यात है। 'गोल्डन सिटी' के नाम से लोकप्रिय जैसलमेर पाकिस्तान की सीमा के निकट है और यह शहर एक तरह से भारत के सीमा प्रहरी के रूप में कार्य करता है। जैसलमेर का सबसे प्रमुख आकर्षण है जैसलमेर का क़िला, जिसे सोनार किला (द गोल्डन फोर्ट) के नाम से भी जाना जाता है। जैसलमेर की कला, संस्कृति, किले, हवेलियाँ और सोने जैसी माटी और यहाँ की रेत के कण-कण में सैंकड़ों वर्षों के इतिहास की गाथाएं पर्यटकों को यहां बार-बार खींच लाती हैं। राजस्थान पर्यटन विकास निगम जैसलमेर शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनोरम बालू के टीलों का भ्रमण करने के लिए परिवहन की शानदार व्यवस्था करता है। इन मनोरम टीलों की यात्रा किए बिना जैसलमेर की यात्रा अधूरी ही मानी जाएगी। तेज हवाओं के कारण यहां बड़े-बड़े रेत के ढालू बने हुए हैं जो मृगमरीचिका की भांति दिखाई देते हैं। ये टीले बहुत खतरनाक हो सकते हैं क्योंकि हवाओं के साथ ये रेत के टीले अपना स्थान बदलते रहते हैं और यह भी प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार-सा दिखाई देता है। इन रेतीले टीलों पर सूर्य निकलने और सूर्यास्त होने का दृश्य आपकी स्मृति पटल पर हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा। पूर्णतः शांत वातावरण में रेत के छोटे-छोटे पहाड़ों के पीछे से आग के लाल-लाल चक्र का दृश्य कभी भी नहीं भूला जा सकता है। सूर्यास्त के बाद एक रहस्यपूर्ण खामोशी-सी छा जाती है। शाम को ये टीले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक शानदार पृष्ठभूमि का काम देते हैं। एक अस्थायी मंच पर लोक नर्तक कार्यक्रम करते हैं और कुछ ही मिनटों में सुंदर स्वरों और संगीत का जादू सबको वशीभूत कर लेता है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों को यहां प्रदर्शन के लिए चुना जाता है। रेगिस्तान की आत्मा खुले दिल से अतिथियों का स्वागत करती है। व्यावसायिक लंगाओं, मंगनियारों के मोहक लोक संगीत और घेर, धप, छड़ी, मोरिया, घूमड़ और त्रेहटालू जैसे आकर्षक नृत्य लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। जब कालेबेलिया नर्तकों के नृत्य की घोषणा होती है तो चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगती है। फुर्तीली युवा लड़कियों द्वारा किया जाने वाला यह नृत्य बिजली की तरह असर करता है और सबको मंत्रमुग्ध कर देता है। कालेबेलिया नृतकों ने जहां कहीं भी नृत्य प्रदर्शन किया है सबने इसकी खूब सराहना की है। मिस्र के बेले नृतकों की भांति ये सँपेरे दिल मोह लेते हैं। इनकी गति, लय और कला कौशल उत्कृष्ट और मोहक होते हैं। राजस्थान पर्यटन विकास निगम किले के ठीक नीचे स्थानीय पूनम स्टेडियम में बड़े पैमाने पर कुछेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

यहां का वातावरण बहुत ही आकर्षक लगता है और कार्यक्रम देखने के लिए अपार जनसमूह उमड़ पड़ता है। विविध रंगों से सजे ऊंटों की परेड़ देखने लायक होती है। सबसे ज्यादा मजा राजस्थानी पगड़ियों को देखकर आता है जो चमकदार पीले, संतरी, गुलाबी और लाल रंगों की होती हैं और बड़े शानदार ढंग से सिर पर बांधी जाती हैं। काफी तेज नृत्य करने के बावजूद ये नीचे नहीं गिरती हैं। सफेद जैकेट और लंबे घाघरे पहने घेर नृतकों का नृत्य बहुत अच्छा

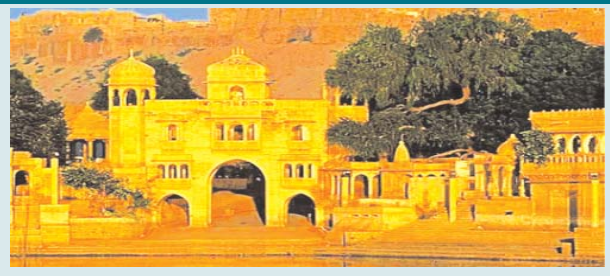

एक चम्मच सेब का सिरका 10 गंभीर बीमारियों को करेगा दूर

पिछले कुछ सालों में सेब का सिरका मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज के लिए काफी कारगर माना जा रहा है। इसे बनाने के लिए पिसा हुआ सेब और खमीर का इस्तेमाल किया जाता है। यह पेक्टिन, एंटीऑक्सिडेंट गुणों और पोषक तत्वों से भरा होता है। एसिडिक एसिड और मैलिक एसिड की मौजूदगी के कारण इसका स्वाद खट्टा होता है। सेब के सिरके का इस्तेमाल खाने में, सलाद में और ब्युटी प्रॉडक्ट के तौर पर किया जाता है। आज हम आपको इससे होने वाले और फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं-

सेब के सिरका के फायदे

ब्लड प्रेशर कंट्रोल: सेब का सिरका शरीर में पीएच स्तर को सामान्य बनाएं रखता है जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। सेब का सिरका शरीर में वसा को तोड़ता है, जिससे रक्त का संचार सामान्य रूप से होता है। इस सिरके में पोटैशियम की मात्रा होने के कारण यह ब्लड प्रेशर को ज्यादा होने नहीं देता।

कैंसर से बचाव: सेब का सिरका कैंसर के ट्रीटमेंट में सहायक होता है। एनोफेजियल कैंसर के इलाज में यह सिरका कारगर पाया गया है लेकिन सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लेना ना भूलें।

मोटापा करें दूर: सेब साइडर सिरका में मैलिक एसिड में एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो आंत को सही काम करने के लिए प्रेरित करते है। सेब के सिरके को प्रीबायोटिक माना जाता है, यह आपके पेट में लाभकारी बैक्टीरिया को विकसित करने में मदद करता है और इसके साथ ही स्वस्थ पाचन तंत्र को बनाए रखता है जिससे मोटापा कम होता है।

दांतों में चमक: एप्पल विनेगर प्राकृतिक रूप से सफाई एजेंट के रूप में काम करता है। दांतों से दाग-धब्बे हटाने के अलावा ये उन बैक्टीरिया को खत्म कर देता है जो मसूड़ों को नुकसान पहुंचाते है।

एनर्जी:

दिन भर सुस्त और थका हुआ महसूस करने वालों के लिए सिरका बहुत फायदेमंद हो सकता है। एक गिलास पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका डाल कर पीने से शरीर में स्फूर्ति और एनर्जी आती है।

एंटीऑक्सिडेंट गुण: सेब के सिरके में कुछ बायोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं जैसे एसिटिक एसिड, कैटचिन, गैलिक एसिड, कैफीक एसिड आदि। इसी कारण इसमें शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुण होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल के हानिकारक प्रभावों को रोकते हैं जो डीएनए सेल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सन बर्न को ठीक करें: सेब का सिरका स्किन के पीएच स्तर को ठीक रखता है जिससे धूप में स्किन जल्दी जलती नहीं है। आने वाली गर्मियों में सन बर्न से बचने के लिए नहाने के पानी में एक कप सिरका डाल लिया करें, सन बर्न से बचे रहेंगे।

ग्लोइंग स्किन: इसका इस्तेमाल एक फेस क्लिएंज़र के तौर पर किया जाता है। इसे पानी के साथ मिलाकर रुई से चेहरे पर लगाएं। यह आपके चेहरे को अच्छी रंगत देगा और एक बढ़िया डिटॉक्स होने के कारण यह सिरका चेहरे के दानों से छुटकारा पाने में भी मदद करता है।

गले की खराश: सिरका के एंटीबैक्टीरियल गुण गले के संक्रमण और खराश के इलाज में मददगार साबित होता है। इसके लिए बस एक चम्मच सिरका एक कप पानी में डाल कर धीरे-धीरे उसका सेवन दिन में दो तीन बार करें इससे आपके गले को आराम मिलेगा।

रोजाना भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास घटाएगा मोटापा

कई बीमारियों का हल है फाइबर फूड, जानें दिन की कितनी मात्रा जरूरी?

बढ़ते वजन को काबू में करने की सारी कोशिशें बेतरतीब लाइफस्टाइल की वजह से बेकार साबित होती हैं। ऐसे में योग करना काफी फायदेमंद हो सकता है। रोजाना 5 मिनट बस एक भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास न सिर्फ मोटापा कम करने में मदद करेगा, बल्कि कई बीमारियों से भी मुक्ति दिला सकता है। यहां नीचे दिए गए लिंक में खुद योगगुरु बाबा रामदेव से जान सकते हैं भस्त्रिका प्राणायाम को करने का सही तरीका।

भस्त्रिका प्राणायाम: भस्त्रिका का शब्दिक अर्थ है धौंकनी अर्थात एक ऐसा प्राणायाम जिसमें लोहार की धौंकनी की तरह आवाज करते हुए वेगपूर्वक शुद्ध प्राणवायु को अन्दर ले जाते हैं और अशुद्ध वायु को बाहर फेंकते हैं।

विधि: इस आसन को करने के लिए पद्मासन या सुखासन में बैठ जाएं। कमर, गर्दन, पीठ और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए ज्ञान मुद्रा में बैठ जाएं। इसके बाद नाक से इस तरह सांस अंदर भरें कि उसकी आवाज साफ-साफ सुनाई दे। इसी तरह आवाज करते हुए सांस को बाहर छोड़ें। यही क्रिया भस्त्रिका प्राणायाम कहलाती है। ध्यान रहे, श्वास लेते और छोड़ते वक्त हमारी लय ना टूटे।

लाभ: इस प्राणायाम को करने से शरीर से कार्बन डाई ऑक्साइड बाहर निकलती है और खून साफ होता है। शरीर के सभी अंगों में खून का संचार होता है और इसके अभ्यास से मोटापा दूर होता है। यह प्राणायाम नियमित करने से दमा, टीवी और सांसों के रोग दूर हो जाते हैं। फेफड़े मोटापा, कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कब्ज, बवासीर, हार्ट अटैक जैसी बीमारियां आजकल आम देखने को मिल रहीं है। इसकी एक वजह यह भी है कि लोग डाइट में फाइबर युक्त चीजों का कम सेवन करते हैं। मगर आपको बता दें कि फाइबर की कमी से आप कई बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि आप भरपूर मात्रा में फाइबर का सेवन करें।

दिनभर में कितना लेना चाहिए फाइबर?: एक्सपर्ट के मुताबिक, प्रतिदिन लगभग 35 ग्राम फाइबर लेना जरूरी होता है। वहीं 50 साल के कम उम्र वाले पुरुषों को 38 ग्राम और महिलाओं को 25 ग्राम फाइबर लेना चाहिए। इसके अलावा 50 साल से अधिक उम्र वाले पुरुषों रो रोजाना 30 ग्राम और महिलाओं को 21 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है। दरअसल, फाइबर वाले आहार खाने से आंतों व में जमा गंदगी साफ होती है। साथ ही इससे शरीर में चर्बी जमा नहीं होती। रोजाना सही मात्रा में फाइबर का सेवन करने से आप कई खतरनाक बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

फाइबर की कमी के लक्षण

कब्ज की समस्या
वजन बढ़ना
ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव
जी मिचलाना
कमजोरी या थकान

फाइबर युक्त आहार: फाइबर की कमी को पूरा करने के लिए आप अपनी डाइट में मटर, नाशपाती, ब्राउन राइस, ओटमील, अलसी के

बीज, मक्की के दानें, भिंडी, फूलगोभी, आलू, शकरकंद, संतरा, केला, काबुली चना, ब्रोकोली, बादाम, सेब, अंजीर, प्याज और चिया के बीजों को शामिल करें।

कब्ज और गैस की समस्या: रिफांइड आहार का सेवन करने से गैस, अपच, पेट फूलना और कब्ज जैसी समस्याएं होने लगती हैं। जबकि फाइबर का सेवन पेट को स्वस्थ रखने में मदद करता है। फाइबर युक्त भोजन में पानी अवशोषित करने की क्षमता होती है, जिससे मल आंतों से चिपकता नहीं और मल त्यागने में भी कोई तकलीफ नहीं। इसके अलावा यह बवासीर को भी दूर करता है।

डायबिटीज से बचाए: डॉक्टर्स के मुताबिक, डायबिटीक पेशेंट को रोजाना करीब 20-35 ग्राम डाइटरी फाइबर लेने की जरूरत होती है। दरअसल, इससे खूब में शुगर लेवल सही रहता है। साथ ही इससे डायबिटीज की आशंका भी कम हो जाती है।

वजन और चर्बी को करता है कम: उच्च फाइबर वाले फूड्स कैलोरी और फैट में कम में भी मददगार होते हैं। ऐसे फूड्स धीरे-धीरे पचते हैं, जिससे पेट दिनभर भरा-भरा रहता है। इससे आप ओवरइटिंग और एक्स्ट्रा कैलोरी लेने से बच जाते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

कैंसर का खतरा होता है कम: शोध के मुताबिक, फाइबर से कोलन कैंसर का खतरा भी काफी हद तक कम होता है। यह शरीर में हानिकारक तत्व को बढ़ने से रोकता है, जिससे कैंसर की आंशका काफी हद तक कम हो जाता है। इसके अलावा यह महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर, अंडाशय कैंसर और गर्भाशय के कैंसर के खतरों को भी कम कर देता है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।